

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-8> अरुणाचल की नेडी न्गी, महाराष्ट्र...



लोकसभा में नक्सलवाद पर गृहमंत्री अमित शाह का सख्त संदेश

जो हथियार उठाएगा, उसे हिसाब देना होगा...

■ गृह मंत्री बोले— बस्तर में नक्सलवाद लगभग खत्म, विकास से बदली तस्वीर

नई दिल्ली। लोकसभा में बजट सत्र के दौरान सोमवार को नक्सलवाद के मुद्दे पर हुई चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट कहा कि जो हथियार उठाएगा, उसे हिसाब देना होगा। उन्होंने देश में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही मुहिम का उल्लेख करते हुए दावा किया कि छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में अब

नक्सलवाद लगभग समाप्त की ओर है और वहां विकास की नई धारा बह रही है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने संसद में इस महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की अनुमति देने के लिए स्पीकर ओम बिरला के प्रति आभार जताया और कहा कि 1970 से 2026 तक की घटनाओं की श्रृंखला पर चर्चा देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से यह मुद्दा व्यापक बहस से दूर रहा, जबकि इससे देश के हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। गृह

मंत्री शाह ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अब तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर के गांवों में स्कूल खोलने, राशन की दुकानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और गैस चूल्हों के वितरण जैसी योजनाओं ने आम लोगों के जीवन में बदलाव लाया है। शाह ने सवाल उठाया कि जो लोग पहले नक्सलवाद का समर्थन करते थे, उन्होंने इन बुनियादी सुविधाओं के लिए पहले प्रयास क्यों नहीं किए।



नक्सलवाद के कारण हुए नुकसान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस हिंसा में लगभग 20 हजार युवाओं की जान गई और कई लोग दिव्यांग हो

गए। उन्होंने इसे देश के लिए गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा कि संसद को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए था। अमित शाह ने नक्सलवाद को केवल विकास की कमी का परिणाम मानने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह एक विचारधारा से प्रेरित समस्या है, जिसे समय के साथ बढ़ावा मिला और इसका विस्तार हुआ। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गृह मंत्री शाह ने

नक्सलवाद के खात्मे के लिए 31 मार्च की समयसीमा तय किए जाने का भी उल्लेख किया और कहा कि इस दिशा में तेजी से काम हुआ है।

लोकसभा में नियम 193 के तहत इस विषय पर चर्चा की शुरुआत शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने की थी, जिसके बाद अन्य सदस्यों ने चर्चा में हिस्सा लिया और अब शाम को गृह मंत्री ने विस्तृत जवाब दिया। अपने जवाब में केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि रेड कॉरिडोर के अंतर्गत आने वाले 12

राज्यों और आदिवासी समुदायों की ओर से वे इस चर्चा के लिए आभार व्यक्त करते हैं। शाह के अनुसार, इन क्षेत्रों के लोग लंबे समय से चाहते थे कि उनकी समस्याएं संसद में उठें और देश तथा दुनिया के सामने वास्तविक स्थिति सामने आए। गृह मंत्री शाह के लोकसभा में दिए गए इस आशय के बयान के बाद नक्सलवाद पर राष्ट्रीय स्तर पर बहस तेज होने की संभावना है, खासकर तब जब सरकार ने इसके पूर्ण उन्मूलन के लिए सख्त समयसीमा तय कर रखी है।

नितिन नबीन ने दिया इस्तीफा, बांकीपुर सीट पर 20 साल का सफर हुआ खत्म

पटना। बिहार में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बिहार विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे को विधानसभा के स्पीकर प्रेम कुमार ने स्वीकार कर लिया है। उनके साथ ही सीएम नीतीश कुमार ने भी बिहार विधान परिषद की सदस्यता छोड़ दी है। दोनों नेता हाल ही में राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। नितिन नबीन बिहार की बांकीपुर सीट से विधायक थे। वे लगातार पांच बार इसी सीट से जीतते हैं। दो हफ्ते पहले उन्हें राज्यसभा के लिए चुना गया था।

अब राज्यसभा सदस्य बनने के बाद उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। एक्स पर पोस्ट में नबीन ने लिखा— पिछले 20 साल से वे बांकीपुर को अपने स्वर्गीय पिता नबीन किशोर प्रसाद सिन्हा के सपनों के मृताइटेड (जेडीयू) के नेता और बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने भी सोमवार को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। वे 16 मार्च को राज्यसभा के लिए चुने गए थे। एक व्यक्ति एक साथ दोनों सदनों का सदस्य नहीं रह सकता इसलिए राज्यसभा में जाने के बाद विधान परिषद छोड़ना जरूरी था। अब बांकीपुर सीट पर उपचुनाव होगा जो बिहार की राजनीति में दिलचस्प होगा क्योंकि यह सीट नबीन परिवार का गढ़ मानी जाती है।



कांग्रेस- डीएमके को जनता मौका नहीं देगी: पीएम मोदी

नईदिल्ली। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वे चुनाव की तैयारियों में उनके जमीनी अनुभवों और प्रयासों से सीखने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस और डीएमके जानती हैं कि पुडुचेरी की जनता उन्हें मौका नहीं देगी, फिर भी वे आपस में लड़ती रहती हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले मेरा बूथ, सबसे मजबूत संवाद पहल के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पुडुचेरी में बूथ स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की। उन्होंने कार्यकर्ताओं के समर्पण की सराहना की और पार्टी की जमीनी स्तर पर पहुंच बनाने में उनकी अहम भूमिका पर जोर दिया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वे चुनाव की तैयारियों में उनके जमीनी अनुभवों और प्रयासों से सीखने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस और



डीएमके जानती हैं कि पुडुचेरी की जनता उन्हें मौका नहीं देगी, फिर भी वे आपस में लड़ती रहती हैं। उन्होंने दोनों पार्टियों के दृष्टिकोण को तुलना करते हुए कहा, कांग्रेस-डीएमके परिवार को सर्वोपरि मानती है, जबकि भाजपा पुडुचेरी को सर्वोपरि मानती है। दो इंजन वाली सरकार के फायदों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस तरह के शासन से परियोजनाओं, विशेष रूप से पर्यटन क्षेत्र में, तेजी से पूरी होती हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों से संपर्क करने का आग्रह किया और बताया कि पिछले पांच वर्षों में भारत में पर्यटकों की संख्या

दोगुनी हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि कई देशों के लिए भारत की मुफ्त वीजा या आगमन पर वीजा नीति से पुडुचेरी को लाभ होगा और इन विकासों का श्रेय दो इंजन वाली सरकार के तहत बेहतर कनेक्टिविटी को दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने पर्यटन मंत्रालय की 2014-15 में शुरू की गई स्वदेश दर्शन योजना का भी उल्लेख किया, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में थीम आधारित और टिकाऊ पर्यटन अवसरचक्रना विकसित करना है। उनके अनुसार, इस योजना ने पर्यटन स्थलों में बुनियादी सुविधाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

प्रधानमंत्री का संबोधन पुडुचेरी विधानसभा चुनावों से पहले आया है, जहां 30 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 9 अप्रैल को एक ही चरण में निर्धारित है और वोटों की गिनती भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा 4 मई को की जाएगी।



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चंदखुरी में माता कौशल्या एवं भगवान श्रीराम के किए दर्शन, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज चंदखुरी स्थित माता कौशल्या मंदिर पहुंचकर माता कौशल्या एवं भगवान श्रीराम के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्हरजन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री सबरीमाला विवाद पर क्यों हैं खामोश: राहुल

तिरुवनंतपुरम। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केरल के पत्तनमलिट्टा में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान बीजेपी और एलडीएफ सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पीएम मोदी पर



निशाना साधते हुए कहा कि वे देशभर में मंदिरों और धर्म की बात करते हैं, लेकिन सबरीमाला से जुड़े विवादों पर चुप्पी साध लेते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने संबोधन में सबरीमाला मंदिर का मुद्दा उठाते हुए वामपंथी नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि मंदिर की संपत्ति और पवित्रता के साथ खिलवाड़ किया गया है। राहुल ने आरोप लगाया कि अयप्पा मंदिर के सोने को बदलकर पीतल रख दिया गया, जो श्रद्धालुओं की आस्था के साथ धोखा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी और एलडीएफ के बीच कथित संबंधों को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी के प्रभाव में केरल की एलडीएफ सरकार काम कर रही है। राहुल गांधी ने कहा, जो लोग बीजेपी के खिलाफ आवाज उठाते हैं, उन पर हमले होते हैं और उनके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज किए जाते हैं। उन्होंने अपने ऊपर हुए हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके खिलाफ 36 मामले दर्ज हैं।

असम में अली बाबा और 40 चोरों को रोकना होगा: खड़गे

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आने लगी है। असम की सियासत में बयानबाजी भी तेज हो गई है। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्य की भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए मतदाताओं से बदलाव की अपील की है।



उन्होंने कहा कि इस बार असम की जनता को अली बाबा और 40 चोरों को रोकना होगा। खड़गे ने बताया कि अली बाबा दिल्ली में बैठे हैं और उसके 40 चोर जगह-जगह फैले हुए हैं, जिन्हें जनता अपने वोट से रोकेगी। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर कुशासन और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि डबल इंजन का वादा करने वाली सरकार अब डबल धोखा और डबल भ्रष्टाचार की सरकार बन चुकी है। असम की जनता को इस बारअली बाबा और 40 चोरों को रोकना होगा। अली बाबा दिल्ली में बैठे हैं। और इनके 40 चोर जगह जगह फैले हैं। आप इनको वोट से रोकेंगे और ठोकेंगे भी !! मल्लिकार्जुन खड़गे ने जनता से सवाल किया कि क्या वे ऐसे ईंसान को वोट देंगे जो धोखा देता है।

गंभीर आरोप: मेरी जान को खतरा है: ममता

नईदिल्ली। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में एक बड़ी जनसभा में टीएमसी की मुखिया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने न सिर्फ कई गंभीर आरोप लगाए बल्कि यह भी कहा कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है और उनकी जान को खतरा हो सकता है। ममता ने बिना नाम लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तंज कसते हुए कहा कि एक बड़े नेता ने चार्जशीट तो जारी कर दी लेकिन जब विदेश से लोगों को जंजीरों में बांधकर भारत भेजा गया तब वे कहां थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा दंगे भड़काकर सत्ता में आती है और जिन राज्यों में उनकी सरकार है वहां आदिवासियों और महिलाओं पर अत्याचार हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा पहले कुछ समय लोगों को पैसे देती है और फिर बंद कर देती है। साथ ही दावा किया कि कुछ भाजपा शासित राज्यों में मछली, अंडा और मांस तक पर रोक लगाई जा रही है। 1.20 करोड़ नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए वोटर लिस्ट के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ममता ने बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि करीब 1 करोड़ 20 लाख मतदाताओं के नाम चुपचाप हटा दिए गए हैं।



विदेशी नाम हटाओ, नेपाली अपनाओ: बालेन सरकार

काठमांडू। नेपाल की नवगठित छ्त्रालेन सरकारक ने शिक्षा व्यवस्था की सूरत बदलने के लिए एक क्रांतिकारी '100 दिवसीय एक्शन प्लान' सार्वजनिक किया है। प्रधानमंत्री बालेन शाह के नेतृत्व में लिए गए इन फैसलों का उद्देश्य शिक्षा को राजनीति के चंगुल से मुक्त कर अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना है। शनिवार देर रात जारी किए गए एक्शन प्लान के तहत, अब नेपाल के स्कूलों और विश्वविद्यालयों में राजनीतिक दलों से जुड़े छात्र संगठनों की कोई जगह नहीं होगी। बालेन कैबिनेट ने स्पष्ट कर दिया है कि शिक्षण संस्थान अब राजनीति का अखाड़ा नहीं, बल्कि केवल ज्ञान के केंद्र होंगे। सरकार का कहना है कि शैक्षणिक संस्थानों में होने वाले राजनीतिक हस्तक्षेप को समाप्त कर छात्रों की वास्तविक आवाज को स्थान देने के उद्देश्य से यह घोषणा की गई है। नागरिकता की शर्त खत्म: स्नातक तक की पढ़ाई के लिए अब नेपाली नागरिकता की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया गया है, ताकि दस्तावेजी बाधाओं के कारण किसी भी छात्र की शिक्षा न रुके। विश्वविद्यालयों के परीक्षा परिणाम मंत्रालय द्वारा निर्धारित कैलेंडर के अनुसार समय पर प्रकाशित करने का निर्णय भी लिया है।



तमिलनाडु में टीवीके युवाओं को 4000 रुपये देगी

नईदिल्ली। तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले अभिनेता और तमिलगा वेत्री कन्नगम यानी टीवीके के प्रमुख विजय ने आज अपनी पार्टी के उम्मीदवारों की पूरी सूची का ऐलान कर दिया। 234 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए। सबसे बड़ी खबर यह रही कि विजय खुद दो



सीटों से चुनाव लड़ेंगे। वे त्रिची ईस्ट और चेन्नई के परम्बूर से मैदान में उतरेंगे। दोनों सीटों पर उनका नाम सी। जोसेफ विजय के रूप में दर्ज है। यह पहली बार है जब विजय सीधे चुनावी मैदान में कदम रख रहे हैं। पार्टी के महासचिव एन। आनंद टी। नगर से, कोषाध्यक्ष वेंकट रमन मायलापुर से और आध्व अर्जुन विल्विवाक्कम से चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा गोबीचेट्टीपालयम से के संगोदुयान, तिरुचेंगोडे से केमिल अरुणराज, थ्राउजेंड नकुंडम से सीटीआर निर्मल कुमार, थाउजेंड लाइटस से जैसीडी प्रभाकर, कोलाथुर से वीएस बाबू और आरके नगर से डॉ। मारिया विल्सन को टिकट दिया गया है। उम्मीदवारों की घोषणा के साथ-साथ विजय ने युवाओं के लिए कई बड़े वादे भी किए।

संसद डायरी

जनहित से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष और सत्ता पक्ष आमने सामने दिखे

नईदिल्ली। संसद के दोनों सदनों की आज की कार्यवाही कई महत्वपूर्ण मुद्दों और तीखी राजनीतिक नोकझोंक से भरपूर रही। एक ओर लोकसभा में दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता संशोधन विधेयक को मंजूरी मिली, वहीं राज्यसभा में आरक्षण, सशस्त्र बलों और अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष और सत्ता पक्ष आमने सामने दिखे।

लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता के प्रभाव पर जोर देते हुए कहा कि इस कानून ने देश की बैंकिंग व्यवस्था को मजबूत बनाया है। उन्होंने बताया कि वाणिज्यिक बैंकों के गैर निष्पादित परिसंपत्तियों की वसूली में इस संहिता का योगदान 54 प्रतिशत से अधिक रहा है। सदन ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

इसी दौरान वित्त मंत्री ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था मजबूत है और प्रधानमंत्री की वैश्विक साख सबसे ऊंची है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष देश को कमजोर दिखाने की कोशिश कर रहा है, जबकि आर्थिक संकेतक जैसे विकास दर, मुद्रास्फीति और घरेलू मांग मजबूत स्थिति में हैं।



इसके अलावा, लोकसभा में वामपंथी उग्रवाद पर भी जोरदार बहस हुई। सत्ता पक्ष के सांसदों ने पूर्व की सरकारों को इसके लिए जिम्मेदार

ठहराया और दावा किया कि वर्तमान सरकार देश को उग्रवाद मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार इस मुद्दे को आड़ में खनन हितों को बढ़ावा दे रही है और जमीनी समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है।

राज्यसभा में भी दिन भर हंगामा और विरोध देखने को मिला। ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा सदस्य के बयान के विरोध में विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया। सत्ता पक्ष ने इस कदम को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया और विपक्ष पर बहस से बचने का आरोप लगाया। हम आपको बता दें कि राज्यसभा में

भाषी राज्यों के छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे को महत्वपूर्ण बताया गया। नेत्रहीनों के लिए सुरक्षित और अनुकूल आधारभूत ढांचा तैयार करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। सदस्यों ने कहा कि आधुनिक विकास के बीच दिव्यांगजन की जरूरतों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही कृषि भूमि के तेजी से गैर कृषि उपयोग में बदलने पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। इसे खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण दोनों के लिए खतरा बताया गया। वहीं भाजपा सांसद संबित पात्रा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एक पुराने ट्वीट को लेकर उन पर तंज कसते हुए कहा कि "आप सरेडर हैं।"

मदनवाड़ा के जंगल में मिला नक्सलियों के हथियारों का डंप

■ **डीआरजी, आईटीबीपी और मोहला मानपुर अंबागढ़ पुलिस की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन चलाकर नक्सल डेडलाइन से पहले बड़ी सफलता हासिल की.**

मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी। नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियान में मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले की पुलिस को एक बड़ी सफलता हासिल हुई है। आज सुबह मदनवाड़ा थाना क्षेत्र के घने जंगलों में नक्सलियों का एक बड़ा हथियारों का डंप बरामद किया गया, इस क्षेत्र में नक्सली गतिविधियां लंबे समय से सक्रिय रही हैं, लेकिन सुरक्षा बलों के

मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी में ज्वाइंट फोर्स का एक्शन



निरंतर प्रयासों से अब नक्सलियों पर लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। पुलिस अधीक्षक वायपी सिंह के नेतृत्व में डीआरजी, आईटीबीपी और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने यह सुनियोजित ऑपरेशन चलाया। टीम आज तड़के सुबह मदनवाड़ा थाना से मात्र तीन किलोमीटर दूर कलवर, कोवाचीटोला और

उड़काटोला के बीच स्थित घने जंगल में पहुंची। सूचना के आधार पर की गई इस तलाशी में नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया बड़ा डंप सामने आया। ज्वाइंट फोर्स को मौके से एक एक-47 राइफल, एक इंसार्स राइफल और कई मैगजीन बरामद की गई हैं। पुलिस अधीक्षक वायपी सिंह ने खुद इस अभियान का

नेतृत्व किया और मौके पर पहुंचकर पूरे ऑपरेशन की निगरानी की। एसपी सिंह ने बताया कि टीम ने अत्यंत सावधानी और गोपनीयता बनाए रखते हुए यह कार्रवाई की, जिससे नक्सलियों को कोई भनक नहीं लगी। वर्तमान में सुरक्षा बलों की टीम ने पूरे इलाके को घेर लिया है और सघन एरिया सर्च अभियान चलाया जा रहा है। जंगल के आसपास संभावित अन्य छिपे हुए डंप या नक्सली सदस्यों की तलाश जारी है। जंगल की ऊबड़-खाबड़ भौगोलिक स्थिति और घनी वनस्पति के कारण सर्च अभियान चुनौतीपूर्ण है, फिर भी सुरक्षा बल पूरे समर्पण के साथ काम कर रहे हैं। बता दें 31 मार्च नक्सलवाद खत्म की डेडलाइन है। इससे एक दिन

धमतरी नगर निगम का बजट पेश, विपक्ष ने किया जमकर हंगामा



धमतरी। धमतरी नगर निगम में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट महापौर रामू रोहरा ने पेश किया है। इस दौरान बजट भाषण से पहले धमतरी नगर निगम में प्रश्नकाल आयोजित किया गया। इस प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी कांग्रेस पार्श्वदों ने जमकर हंगामा किया है। इसी हंगामे के बीच महापौर रामू रोहरा ने बजट पेश किया।

धमतरी नगर निगम के बजट में कई विकास योजनाओं को शामिल किया गया है। महापौर रामू रोहरा ने अपने बजट भाषण में धमतरी के चौरफा विकास का दावा किया। धमतरी में पेयजल, स्वच्छता, सड़क विकास, नगरीय विकास और स्वास्थ्य सेवाओं के विकास का प्रावधान बजट में किया गया है। महापौर ने बताया कि निगम की

सरकार शहर में विकास को प्राथमिकता देगी। इसी को ध्यान में रखकर यह बजट पेश किया गया है।

धमतरी नगर निगम के बजट की बात करें तो यह कुछ इस प्रकार है। कुल आय- 620 करोड़ 13 लाख 23 हजार रुपये, कुल खर्च 619 करोड़ 53 लाख 52 हजार रुपये, बजट लाभ 59 लाख 71 हजार रुपये, धमतरी नगर निगम का बजट पेश होते ही विपक्ष ने सदन में जमकर हंगामा किया है। विपक्षी पार्श्वद जमीन पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। कांग्रेसी पार्श्वदों ने सत्ता पक्ष पर कमीशनखोरी, डीजल घोटाला और बेलिंग मशीन की खरीदी में घोटाले का मुद्दा उठाया है। इस दौरान विपक्षी पार्श्वदों ने सदन में पोस्टर दिखाया और हंगामा किया। विपक्ष का आरोप है कि

दुर्ग में बचपन का टिकट कार्यक्रम में झलकी बचपन की यादें, हजारों महिलाओं ने लिया हिस्सा

■ **बचपन का टिकट कार्यक्रम में महिलाओं ने अपनी बचपन की यादों को ताजा किया और जमकर मजा किया.**

दुर्ग। बचपन का टिकट-चलव दीदी खेल-खेले पर जाबो कार्यक्रम ने मातृ शक्तियों को एक बार फिर अपने बचपन के सुनहरे दिनों को जीने का अवसर मिला। इस अनोखे आयोजन में हजारों की संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पारंपरिक खेलों के माध्यम से पुरानी यादों को ताजा किया। कार्यक्रम में भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडे भी शामिल



हुई। कार्यक्रम में खो-खो, कबड्डी, फुगड़ी, रस्सी कूद, कुर्सी दौड़, बोरा दौड़, चम्मच दौड़ और जलेबी दौड़ जैसे कई मनोरंजक खेल शामिल रहे, जिनमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता को दो आयु वर्ग 18 से 25 वर्ष और 25 वर्ष से

बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट से नाइट फ्लाइट ऑपरेशन की सुविधा,सीएम विष्णुदेव साय ने बताया बड़ी उपलब्धि

■ **बिलासपुर के बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट से अब रात्रिकालीन उड़ान की सुविधा शुरू हो चुकी है.सीएम विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि की सराहना की है.**

बिलासपुर। बिलासपुर से हवाई यात्रा करने वालों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट से अब रात्रिकालीन उड़ान की सुविधा शुरू हो चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नाइट ऑपरेशन्स का लोकार्पण किया और इसी दौरान वे खुद रात में पहली उड़ान से रायपुर के लिए रवाना हुए। विधायक धरमजीत सिंह भी



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ रात्रिकालीन उड़ान में रायपुर के लिए रवाना हुए। इस दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने रात्रिकालीन सुविधा को योजनाकार, तकनीकी टीम, एयरपोर्ट कर्मियों और स्थानीय प्रशासन के संयुक्त प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि रात्रिकालीन उड़ान सेवा शुरू होने से बिलासपुर की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो गई है। इसके लिए यहां के जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने

काफी संघर्ष किया है। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुविधा बिलासपुर के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। रात्रि उड़ान सेवा शुरू होने से अब निर्धारित और अनिर्धारित उड़ानों के साथ-साथ आपातकालीन एवं मेडिकल फ्लाइट्स भी रात में संचालित हो सकेंगी, जिससे जीवनरक्षक सेवाएं और अधिक प्रभावी होंगी। बेहतर हवाई संपर्क से व्यापार, पर्यटन और निवेश का बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी- विष्णुदेव साय,सीएम छग मुख्यमंत्री ने नागरिकों से इस नई सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने की अपील करते हुए सभी यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुखद यात्रा की कामना की। यह ऐतिहासिक पहल

बिलासपुर को प्रदेश के प्रमुख हवाई केंद्रों में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। वहीं कार्यक्रम को केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने भी संबोधित किया उन्होंने बिलासपुर की जनता को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी तोखन साहू ने कहा कि बिलासपुर एयरपोर्ट में तमाम सुविधाएं विकसित हो रही हैं। रक्षा मंत्रालय से जमीन मिल चुकी है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हवाई चप्पल पहनने वाले को हवाई यात्रा करने के सपना पूरा हो रहा है।

आपको बता दें कि एयरपोर्ट को 3ए वीएफआर से 3ए आईएफआर श्रेणी में उन्नत करने के लिए कुल 31 करोड़ 1 लाख रुपए की लागत से कार्य किया गया है।

एसडीएम का फर्जी हस्ताक्षर कर लकड़ी तस्करी

सूरजपुर। जिले में एसडीएम के फर्जी हस्ताक्षर कर अवैध लकड़ी कटाई और परिवहन करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला तब सामने आया जब बीते दिनों करीब 15 टन अवैध लकड़ी का परिवहन किया जा रहा था। जांच में पता चला कि सेमर और लिप्टस की लकड़ी को कसकेला से रायपुर स्थित प्लाइटवुड फैक्ट्री ले जाया जा रहा था।वाहन चेकिंग के दौरान दस्तावेजों की जांच की गई, जिसमें कई संदिग्ध बातें सामने आईं। जांच में खुलासा हुआ कि दस्तावेजों में एसडीएम शिवानी जायसवाल के फर्जी हस्ताक्षर कर कटाई और परिवहन की अनुमति दिखाई गई



थी, यह पूरी तरह से कूटरचित दस्तावेज थे, जिनके आधार पर अवैध रूप से लकड़ी का परिवहन किया जा रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम शिवानी जायसवाल ने खुद इसकी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी, जालसाजी और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। जांच के बाद

पुलिस ने इस मामले में वाहन चालक राजेश यादव और बृजनारायण साहू को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में और भी लोगों की संलिप्तता की जांच की जा रही है। डीआईजी प्रशांत ठाकुर ने बताया कि एसडीएम की शिकायत के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को

कवर्धा के एसएलआरएम सेंटर में लगी आग, 12 घंटे बाद भी काबू नहीं

■ **प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि रातभर काबू नहीं पाया जा सका. सुबह तक धुआं और आग की लपटें उठती रही.**

कवर्धा। कैलाश नगर वार्ड क्रमांक 3 स्थित एसएलआरएम (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) केंद्र में देर रात भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह केंद्र सरोवर तालाब के पास स्थित है, जहां रात करीब 10 बजे अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी

कवर्धा के एसएलआरएम सेंटर में लगी आग, 12 घंटे बाद भी काबू नहीं



तेज थी कि उसकी लपटें दूर-दूर तक रहवासियों में दहशत का माहौल बन दिखाई दे रही थीं, जिससे आसपास के

स्थानीय लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन आरोप है कि सूचना के बावजूद मौके पर केवल एक ही दमकल वाहन पहुंचा, जबकि विभाग के पास अन्य वाहन भी उपलब्ध थे, फिर भी उन्हें नहीं भेजा गया। इससे आग पर काबू पाने में देरी हुई और हालात लगातार बिगड़ते चले गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि रातभर काबू नहीं पाया जा सका। सुबह तक भी केंद्र के भीतर

से धुआं और आग की लपटें उठती रहीं। स्थानीय वार्डवासियों और केंद्र के कर्मचारियों को सीमित संसाधनों के साथ आग बुझाने में जुटना पड़ा। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है, लेकिन प्रारंभिक अनुमान के अनुसार कचरे में मौजूद किसी ज्वलनशील पदार्थ के कारण आग भड़की हो सकती है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि केंद्र में रखा अधिकांश कचरा जलकर राख हो गया है। प्रशासन ने मामले की जांच के निर्देश

धू-धूकर जला ट्रांसफार्मर, ऊंची लपटों से मिची अफरा-तफरी

कोरबा। सोमवार दोपहर बारह बजे के करीब पाली सड़क झाबर स्थित एक ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई। इससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग लगने का प्रारंभिक कारण लघु परिपथ बताया जा रहा है। ट्रांसफार्मर में आग लगते ही आसपास के छह दुकानदार तुरंत हरकत में आ गए। आग की तेज लपटों को देखकर स्थानीय लोग और दुकानदार अपना सामान सुरक्षित स्थान पर ले जाने लगे। ट्रांसफार्मर से उठती तेज लपटों और धुएँ के कारण कुछ देर तक दहशत का माहौल बना रहा। दुकानदारों ने बताया कि सुबह दस बजे दुकानें खोलने के बाद वे अपने काम में लगे थे। अचानक लघु परिपथ हुआ और देखते ही देखते ट्रांसफार्मर में आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो रहा था। नीचे की झाड़ियाँ और अन्य सामान भी धू-धू कर जलने लगे। दुकानदारों को डर था कि अगर आग दुकानों तक फैलती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। घटना की सूचना तत्काल बिजली विभाग और दमकल वाहन को दी गई।

जंगल में हो रहा था अवैध बोरवेल खनन, दो ट्रक पकड़ाया

जशपुरनगर। वन क्षेत्र में अवैध बोरवेल खनन की प्राप्त सूचना पर वन विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की। अवैध बोर खनन में लगे 2 वाहनों को जप्त किया। ग्रामीणों द्वारा दूरभाष के माध्यम से सूचना देने पर वनमण्डलाधिकारी जशपुर शशि कुमार के निर्देशन में वन परिक्षेत्र सन्ना अंतर्गत परिक्षेत्र सहायक तोरा, परिक्षेत्र सहायक सन्ना, बीएफओ कामारिमा, चलनी, धनगुरी एवं बगीचा परिक्षेत्र के वन अमले द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्यवाही की गई। वन अमले द्वारा कक्ष क्रमांक पी 303 में पंचों एवं गवाहों की मौजूदगी में स्थल निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान पाया गया कि बोरवेल खनन का कार्य वन भूमि के अंदर अवैध रूप से किया जा रहा था, जिससे वन क्षेत्र एवं जैव विविधता को गंभीर क्षति पहुंचने की संभावना थी। मौके पर कार्य को तत्काल रुकवाया गया तथा संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ की गई। पूछताछ में वाहन चालक सल्लू राम ग्राम मनोहरपुर एवं गोधन कोमा ग्राम नरंटीला जिला बलौद द्वारा बताया गया कि यह कार्य राजेश यादव ग्राम दातुनपानी के निर्देश पर किया जा रहा था।

बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में छोड़े गए 34 काले हिरण

बलौदाबाजार। बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में ब्लैकबक कंजर्वेशन सेंटर से लाए गए 34 काले हिरणों को प्राकृतिक आवास में स्वछन्द विचरण के लिए छोड़ा गया। इस वर्ष 60 ब्लैकबक पुनर्स्थापना का लक्ष्य है। ब्लैकबक स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी तरह से वैज्ञानिक तकनीकों का पालन करते हुए नियमादित किया गया, जिससे बिना किसी व्यवधान के ही हिरणों को वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। छोड़े गए हिरण रामपुर ग्रासलैंड में निवासरत काले हिरणों से जाकर मिल गए। अधिकारियों ने बताया कि काले हिरणों के इस नए समूह से क्षेत्र के पारिस्थिति की तंत्र में सकारात्मक बदलाव आएगा और वन विभाग आने वाले दिनों में इनकी निरंतर निगरानी करेगा। काले हिरण जो एक समय छत्तीसगढ़ की धरती से विलुप्त हो गए थे, इस पुनर्स्थापन के प्रयास से अब अपने प्राकृतिक आवास में कुलांचे भरेंगे। इस महत्वपूर्ण संरक्षण अभियान के दौरान अधीक्षक बारनवापारा कृषाणु चंद्राकर, परिक्षेत्र अधिकारी सुश्री कविता ठाकुर, सूर्यप्रकाश जाधव, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी सहित बारनवापारा अभयारण्य के

अब सफर होगा महंगा टोल-प्लाजा में 5 रुपए की बढ़ोतरी

बिलासपुर। नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने छत्तीसगढ़ से अलग-अलग शहरों के लिए जाने वाले नेशनल हाईवे की टोल दरों में बढ़ोतरी की है। इसमें बिलासपुर से रायपुर, कोरबा, अंबिकापुर, रायगढ़ समेत सभी टोल प्लाजा में 5 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। अब 1 अप्रैल से हर टोल प्लाजा से गुजरने पर 5 रुपए एक्स्ट्रा टैक्स देना होगा। इसी तरह एनुअल (वार्षिक) पासधारकों को 75 रुपए अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा। राहत की बात है कि, स्थानीय पासधारकों को पुराने दर पर ही सफर करने की छूट है। एनएचआई ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए टोल की नई दरें जारी कर दी हैं। बिलासपुर जिले के 4 प्रमुख टोल प्लाजा भोजपुरी, मुद्दीपार, पाराघाट और बगदेवा से रोजाना गुजरने वाले करीब एक लाख से अधिक वाहनों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। विशेष रूप से बिलासपुर से रायपुर और पड़ोसी जिलों के बीच आने-जाने वाले वाहन ड्राइवरों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। एनएचआई की तरफ से जारी नोटिफिकेशन में 5 शुल्क में बढ़ोतरी की गई है।

अंबिकापुर-दिल्ली डायरेक्ट फ्लाइट शुरू, चिंतामणि भी हुए रवाना

अंबिकापुर। अंबिकापुर से दिल्ली के लिए हवाई सेवा शुरू हो चुकी है। इस सेवा का वचुअल शुभारंभ मुख्यमंत्री साय ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जल्द ही वाराणसी और कालकाता के लिए भी हवाई सेवा शुरू होगी। कार्यक्रम पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। दोपहर 12 बजे मां महामाया एयरपोर्ट, दरिमा (अंबिकापुर) से पहली फ्लाइट दिल्ली के लिए रवाना हुई। बिलासपुर से 16 यात्रियों सहित कुल 46 लोगों को लेकर पहली फ्लाइट दिल्ली के लिए रवाना हुई। सांसद चिंतामणि भी अंबिकापुर से दिल्ली रवाना हुए। यह फ्लाइट सप्ताह में दो दिन सोमवार और बुधवार को संचालित होगी। किराया 6500 रुपए तय किया गया है। सोमवार को अंबिकापुर से सीधे दिल्ली उड़ान भरी जा रही है, जबकि बुधवार को फ्लाइट बिलासपुर होते हुए दिल्ली जाएगी। इस रूट पर 72 सीटों वाला एंटीआर विमान लगाया गया है। इसके अलावा, अंबिकापुर से कोलकाता के लिए नई फ्लाइट 2 अप्रैल से शुरू हो रही है।

ईद मिलन समारोह में नन्हे रोजेदारों का सम्मान, 328 बच्चों की हौसला अफजाई

रायगढ़। शहर के मधुबन पारा स्थित मस्जिद गरीब नवाज ग्राउंड में ऑल मुस्लिम वेलफेयर द्वारा आयोजित ईद मिलन समारोह एवं नन्हें रोजेदार 2026 कार्यक्रम में आध्यात्मिकता, अनुशासन और भाईचारे का प्रेरणादायक संगम देखने को मिला। इस अवसर पर 328 नन्हे रोजेदारों को सम्मानित कर उनकी हौसला अफजाई की गई।

कार्यक्रम में बिलासपुर से आए फाउंडर मेंबर ने बच्चों से सीधे संवाद करते हुए रोजे के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रोजा हमें सब्र, परहेजगारी और इंसायनित का पाठ पढ़ाता है तथा एक बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देता है।



उन्होंने विशेष रूप से माताओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि बच्चों की अच्छी परवरिश में वालिदा का योगदान सबसे अहम होता है जो उन्हें बचपन से सही मार्ग पर अग्रसर करती हैं। इस विशेष आयोजन में बच्चों के अभिभावकों, खासकर माताओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी गरिमामय बना दिया। वक्ताओं ने कहा कि जब बच्चे

छोटी उम्र से ही अनुशासन, त्याग और इबादत की सीख ग्रहण करते हैं, तो यही संस्कार उन्हें भविष्य में सफलता और नेक इंसान बनने की राह दिखाते हैं। कार्यक्रम में सुफियाना कलाम की प्रस्तुति ने माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। सुफी गायक सरवर हुसैन (सुरू बैंड) की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजन

के दौरान आपसी भाईचारे, प्रेम और एकता का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मोहम्मद सिराज प्रदेश अध्यक्ष उपस्थित रहे। विशिष्ट रूप से वारिस खान जिला अध्यक्ष, मोहम्मद ताज रब्बानी जिला सचिव, हाजी जुबेर मोहम्मद खान प्रदेश उपाध्यक्ष, बिलासपुर संभाग प्रभारी, शाजिउर रशिद रायपुर संभाग प्रभारी, महबूब खान सदस्य, दरगाह लूथरा शरीफ, शाहजहां खान सचिव, सारंगढ़, अमन रजा खान अध्यक्ष, कोरबा मौजूद रहे। इसके अलावा हाजी शेख मुबस्सिर हुसैन सदर, सीरुतुबबी कमेटी, हाजी शेख अब्दुल्ला सदर, गुलाम रहमान खान सदस्य राज्य

हज कमेटी, मस्जिद गरीब नवाज, अब्दुल रहीम सदर, नूरी मस्जिद, मोहम्मद शमशीर, हाजी शरीफ साबरी, अब्दुल हमीद, तौकीर साबरी, मोहम्मद वाजिद साबरी, शेख अब्दुल्लाह, मोहम्मद फैसल, मोहम्मद कैफ सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों में पार्षद अनू सारथी, पार्षद नवाब खान, जॉली सिंह टुटेजा, मनीष सिंह, डॉ. ऋतु सिंह, अखिलेश शर्मा, कलीम बक्स, कमरुद्दीन खान भी कार्यक्रम में शामिल हुए। वरिष्ठ पत्रकारों में युवराज सिंह आजाद, विनय पांडेय, राजेश जैन, शेख ताजिम सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। समारोह ने न सिर्फ बच्चों का

कोरबा में पं. धीरेंद्र शास्त्री की कथा से पहले मचा बवाल

कटघोरा। बागेश्वर धाम वाले कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की हुनमंत कथा के आयोजन से पहले ही विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। कोरबा जिले के ग्राम ढप-ढप में आयोजित होने वाली कथा के लिए महाराज का आगमन रविवार रात्रि लगभग 8.30 बजे हुआ, जिसके बाद उनके रुकने के स्थान अग्रसेन भवन में जमकर हंगामा हुआ।

जानकारी के मुताबिक, कार्यक्रम का आयोजन अपना घर सेवा परिवार के अमरजीत सिंह (पार्षद) और उनकी समिति द्वारा किया जा रहा है। विवाद उस समय शुरू हुआ जब महाराज से मुलाकात और बैठने की व्यवस्था को लेकर पंडित धीरेंद्र शास्त्री के



पीएसओ, बसंत अग्रवाल और आयोजन समिति के बीच बातचीत चल रही थी। ?विवाद का कारण बसंत अग्रवाल द्वारा लगातार अपने खास मेहमानों को प्राथमिकता देना बताया जा रहा है। इसी बात को लेकर आयोजक अमरजीत सिंह और बसंत

अग्रवाल के बीच तीखी बहस हो गई। देखते ही देखते शब्दों की मयदा टूटी और दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीत की नौबत आ गई। अग्रसेन भवन के भीतर मचे इस हंगामे से वहां मौजूद श्रद्धालु और भक्त भी अचंभित रह गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए वहां मौजूद पुलिस प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों ने तुरंत दखल दिया। काफी मशक्कत के बाद दोनों पक्षों को शांत करारकर उनके बीच समझौता कराया गया। स्थिति सामान्य होने के बाद रात्रि लगभग 11 बजे महाराज ने भक्तों से मुलाकात की और उन्हें आशीर्वाद दिया।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री साय ने चंदखुरी में माता

कौशल्य्वा व भगवान श्रीराम के किए दर्शन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज



चंदखुरी स्थित माता कौशल्य्वा मंदिर पहुंचकर माता कौशल्य्वा एवं भगवान श्रीराम के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

एनएसयूआई का प्रदेशत्वापी प्रदर्शन -

छत्रसंघ चुनाव बहाली की मांग

रायपुर। छत्रसंघ चुनाव बहाली की मांग को



लेकर एनएसयूआई ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में बड़ा प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय के नेतृत्व में 250 से अधिक महाविद्यालयों में ज्ञापन सौंपे गए। एनएसयूआई का कहना है कि प्रदेश में वर्ष 2016 से छत्रसंघ चुनाव बंद है, जिससे छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कहा, चुनाव नहीं होने के कारण छात्रों को अपनी समस्याएं उठाने और प्रतिनिधित्व करने का मंच नहीं मिल पा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने कहा कि छत्रसंघ चुनाव बहाल करना छात्रों के अधिकारों से जुड़ा अहम मुद्दा है और इसे जल्द लागू किया जाना चाहिए। एनएसयूआई ने मांग की है कि राज्य सरकार तुरंत चुनाव बहाली का निर्णय ले, ताकि छात्र अपने प्रतिनिधि चुन सकें। संगठन ने चेतावनी भी दी है कि यदि 6 तारीख तक मांग पूरी नहीं हुई तो एनएसयूआई प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों का घेराव करेगा।

गोंदिया स्टेशन से गुजरने वाली कुछ रद्द

एक्सप्रेस गाडियों का पुनः परिचालन शुरु

रायपुर/बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नागपुर रेल मंडल के गोंदिया स्टेशन पर रद्द की गई कुछ एक्सप्रेस गाडियों को तत्काल प्रभाव से बहाल करने का निर्णय लिया गया है। गोंदिया स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 3 (लाइन नंबर 05) पर वॉशबल एग्न को हटाने और उसे बैलस्टेड ट्रैक में बदलने के कार्य के कारण इन गाडियों को अस्थायी रूप से रद्द किया गया था। अब ये गाडियाँ अपने निर्धारित समय सारणी के अनुसार पुनः संचालित की जाएंगी। गाड़ी संख्या 18030 (शालीमार – लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस) शालीमार से छूटने वाली यह गाड़ी 4 से 24 अप्रैल तक बहाल रहेगी। गाड़ी संख्या 18029 (लोकमान्य तिलक टर्मिनल-शालीमार एक्सप्रेस) लोकमान्य तिलक टर्मिनल से छूटने वाली यह गाड़ी 6 से 26 अप्रैल तक बहाल रहेगी। गाड़ी संख्या 12101 (लोकमान्य तिलक टर्मिनल – शालीमार जंशनेश्वरी सुरफास्ट एक्सप्रेस) लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 4, 5, 7, 8, 11, 12, 14, 15, 18, 19, 21 और 22 अप्रैल 2026 को चलने वाली यह गाड़ी बहाल की गई है। गाड़ी संख्या 12102 (शालीमार – लोकमान्य तिलक टर्मिनल जंशनेश्वरी सुरफास्ट एक्सप्रेस) शालीमार से 6, 7, 9, 10, 13, 14, 16, 17, 20, 21, 23 और 24 अप्रैल 2026 को चलने वाली यह गाड़ी बहाल की गई है।

प्रदेश की सभी जेलों में वीडियो-ऑडियो

प्रिजन कॉलिंग सिस्टम होंगे स्थापित

रायपुर। प्रदेश के जेलों में बंदियों के मानवीय अधिकारों और उनके सामाजिक पुनर्वास को मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया गया है। जेल मुख्यालय, छत्तीसगढ़ ने भारत संचार निगम लिमिटेड के साथ एमओयू कर राज्य की सभी 33 जेलों में वीडियो और ऑडियो प्रिजन कॉलिंग सिस्टम शुरू करने की दिशा में पहल की है। इस सुविधा के जरिए अब बंदी अपने परिवारजनों और अधिवक्ताओं से वीडियो और ऑडियो कॉल के माध्यम से आसानी से संपर्क कर सकेंगे। इस एमओयू के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य की सभी 33 जेलों में बीएसएनएल द्वारा नि:शुल्क रूप से वीडियो एवं ऑडियो प्रिजन कॉलिंग सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। यह पहल बंदियों को उनके परिवारजनों से नियमित और सुगम संपर्क स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी। अब जेलों में निरुद्ध बंदी अपने परिवजनों तथा अधिवक्ताओं से वीडियो कॉल के माध्यम से भी बात कर सकेंगे। प्रत्येक जेल में प्रिजन कॉलिंग सिस्टम की स्थापना के लिए विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री, जेल विभाग द्वारा निर्देशित किया गया है। बंदियों के मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के संरक्षण के लिए परिवार के साथ संपर्क अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अक्सर देखा गया है कि लंबे समय तक परिजनों से दूरी बंदियों में तनाव, असादबत एवं सामाजिक अलगाव की भावना को बढ़ाती है।

राजधानी/छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री ने अंबिकापुर-दिल्ली-कोलकाता हवाई यात्रा का किया वर्चुअल शुभारंभ

हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा कर सके, प्रधानमंत्री का यह सपना छत्तीसगढ़ में भी हो रहा है साकार : साय

रायपुर। प्रदेश में हवाई संपर्क को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी, चंदखुरी से अंबिकापुर-दिल्ली – कोलकाता हवाई सेवा का वर्चुअल शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रमुख शहरों को विमान सेवाओं से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे आमजन को भी सुलभ हवाई यात्रा का लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की यह परिकल्पना रही है कि हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति भी हवाई यात्रा कर सके और छत्तीसगढ़ में यह सपना अब साकार होता दिख रहा है। उन्होंने सरगुजा अंचल के नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रीय सांसद के प्रयासों से यह महत्वपूर्ण सुविधा संभव हो पाई है। राजधानी दिल्ली और कोलकाता से सीधा जुड़ाव होने से क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आगे बताया कि प्रदेश में हवाई सेवाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है और हाल ही में बिलासपुर एयरपोर्ट पर नाइट



लैंडिंग सुविधा भी प्रारंभ हुई है। इसके साथ ही बजट में सीजी वायु योजना के माध्यम से घरेलू विमान सेवाओं के सुचारू संचालन का प्रावधान भी किया गया है। रायपुर एयरपोर्ट पर कार्गो सेवा प्रारंभ होने से प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि अंबिकापुर (दरिमा) में 72-सीटर विमान के संचालन से दिल्ली-अंबिकापुर-कोलकाता के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इससे

प्रदेश को बड़ी सुविधा प्राप्त हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि बिलासपुर में नाइट लैंडिंग सुविधा शुरू होने के साथ-साथ दक्षिण छत्तीसगढ़ में जगदलपुर में भी एयर

कनेक्टिविटी का विस्तार किया जा रहा है। कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से मंत्री श्री

राजेश अग्रवाल एवं सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने भी मुख्यमंत्री को इस पहल के लिए शुभकामनाएं दीं।

उल्लेखनीय है कि निर्धारित शेड्यूल के तहत यात्रियों को आने-जाने दोनों दिशाओं में सुविधा उपलब्ध होगी तथा बिलासपुर क्षेत्र की कनेक्टिविटी भी सुदृढ़ होगी। अम्बिकापुर सरगुजा संभाग का मुख्यालय होने के साथ उत्तर छत्तीसगढ़ का प्रमुख प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं वाणिज्यिक केंद्र है। यह क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों, वन संपदा एवं खनिज भंडार से समृद्ध है। साथ ही मैनापाट, तातापानी एवं विविध जलप्रपात जैसे

संपत्ति कर नहीं भरा तो कुर्की-सीलबंदी की होगी कार्रवाई

31 मार्च आखिरी मौका, 17 प्रतिशत अधिभार के साथ होगी तसली

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के राजस्व विभाग द्वारा शहर में लगातार अभियान चलाकर सभी 70 वार्डों के बड़े बकायादारों को चेतावनी दी जा रही है। निगम ने स्पष्ट किया है कि यदि बकाया राशि समय पर जमा नहीं की गई, तो संबंधित बकायादारों पर नियमानुसार कुर्की और सीलबंदी जैसी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निगम प्रशासन ने अपील की है कि कार्रवाई की परेशानी और तनाव से बचने के लिए संबंधित सभी बड़े बकायादार नगर पालिक निगम रायपुर के राजस्व विभाग को तत्काल अपना सम्पूर्ण बकाया अदा कर दें। सभी सम्पत्तिकरदाता नागरिक अपना देय सम्पत्तिकर तत्काल नगर निगम रायपुर के राजस्व विभाग को अदा करें और अंतिम नियत तिथि दिनांक 31 मार्च 2026 तक करों की अदायगी नहीं किए जाने की स्थिति में नियमानुसार



17 प्रतिशत अधिभार सहित बकाया राजस्व की वसूली की सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिससे मानसिक परेशानी और तनाव से बचा जा सके।

नगर पालिक निगम रायपुर के समस्त 10 जोन कार्यालयों के राजस्व विभाग और समस्त सदर काउंटर अंतिम देय तिथि 31 मार्च 2026 तक, महावीर जयंती के शासकीय अवकाश दिवस सहित, आम कार्य दिवस की तरह जनहित में जनसुविधा के लिए राजस्व वसूली के लिए सामान्य कार्यालयीन दिवस की भांति खुले रहेंगे। सभी सम्पत्तिकरदाता नागरिक जोन कार्यालय

जाकर अपना देय सम्पत्तिकर तत्काल अदा कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त नगर पालिक निगम रायपुर के ‘मोर रायपुर’ ऐप को प्ले स्टोर से डाउनलोड करके तथा ऑनलाइन लिंक https://mcraipur.in/ के माध्यम से ऑनलाइन सम्पत्तिकर भुगतान की सुविधा निरंतर उपलब्ध रहेगी। इसके माध्यम से कोई भी सम्पत्तिकरदाता नागरिक अपने सम्पत्तिकर सहित समस्त निगम करों का भुगतान घर बैठे एक क्लिक पर आसानी से नगर पालिक निगम रायपुर के राजस्व विभाग को कर सकता है। रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के सभी 10 जोनों के समस्त 70 वार्डों के रहवासी सम्पत्तिकरदाता नागरिकों को इस सहज और सरल तरीके से प्राप्त हो रही प्रशासनिक जनसुविधा का अधिकाधिक लाभ ऑनलाइन सम्पत्तिकर भुगतान करके अवश्य उठाना चाहिए।

4 दशक से ज्यादा समय से नक्सलवाद विकास में बना था बड़ा रोड़ा : मुख्यमंत्री

रायपुर। देश को नक्सलवाद से मुक्त करने के प्रयासों पर आज लोकसभा में महत्वपूर्ण चर्चा होने जा रही है। यह बहस ऐसे समय में हो रही है, जब केंद्र सरकार ने नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए 31 मार्च 2026 की समयसीमा तय की है और इस डेडलाइन के खत्म होने में अब केवल एक दिन शेष है। इसको लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा छत्तीसगढ़ का ही ज्यादा जिक्र होगा। भारी मात्रा में नक्सलवाद छत्तीसगढ़ में ही बचा हुआ था। चार दशक से ज्यादा से नक्सलवाद विकास में बड़ा रोड़ा बना हुआ था। उसको समाप्त करने में सफल हो रहे हैं। यह छत्तीसगढ़ के लिए बहुत अच्छा है।

बता दें कि लोकसभा सचिवालय ने इस विषय को नियम 193 के तहत सूचीबद्ध किया है। इस नियम के अंतर्गत अल्पकालिक चर्चा होती है, जिसमें मतदान नहीं कराया जाता, लेकिन सरकार के लिए जवाब देना अनिवार्य होता है। माना जा रहा

है कि इस चर्चा में छत्तीसगढ़ का विशेष रूप से जिक्र होगा, क्योंकि देश में लंबे समय तक नक्सलवाद का सबसे अधिक प्रभाव यहीं रहा है।

चंदखुरी में भगवान श्रीराम की मूर्ति स्थापना को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मूर्ति आ चुकी है, अब लगेगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए शुभ मुहूर्त निकलवाया जा रहा है। बीजेपी के ‘गांव चलो अभियान’ को लेकर सीएम ने कहा कि उनकी पार्टी हमेशा लोगों के बीच खड़ी रहती है। 6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस है। इस अवसर पर 6 अप्रैल से 14 अप्रैल तक संगठन के लोग गांव में जाएंगे, लोगों से मुलाकात करेंगे और पार्टी की नीतियों, सरकार की उपलब्धियां और योजनाओं की जानकारी देंगे। खाद की कमी को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति का प्रभाव पूरे विश्व के साथ हमारे देश में पड़ा है।



चालू वित्तीय वर्ष में 6 लाख से अधिक ग्रामीण आवास पूर्ण

■ आवास से बदली तस्वीर: 9 हजार से ज्यादा महिलाएं बर्नी लखपति दीदी

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ ने ग्रामीण आवास निर्माण में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में 6 लाख से अधिक आवास पूर्ण किए हैं। यह इस वर्ष देश में सर्वाधिक आवास निर्माण का आंकड़ा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, प्रधानमंत्री जनमन योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के सशक्त एवं समन्वित क्रियान्वयन से यह उपलब्धि संभव हो पाई है। इससे प्रदेश आवास निर्माण के क्षेत्र में एक प्रभावी मॉडल के रूप में उभरा है।

सबको आवास के लक्ष्य को तेजी से साकार करने के लिए वर्तमान सरकार के प्रथम कैबिनेट निर्णय में 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए थे। वर्तमान में , सर्वे सूची में शामिल सभी पात्र हितग्राहियों को कवर कर लिया गया है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि कोई भी पात्र परिवार आवास से वंचित न रहे।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 5.87 लाख,



प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत 13 हजार तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 10 हजार से अधिक आवास पूर्ण किए गए हैं। योजनाओं के प्रभावी समन्वय से 6 लाख से अधिक आवासों का लक्ष्य पार किया गया है।

यह उपलब्धि वर्ष 2016 में योजना प्रारंभ होने के बाद प्रदेश में किसी एक वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक आवास पूर्ण होने का रिकॉर्ड है, जो तेज क्रियान्वयन और प्रभावी मॉनिटरिंग को दर्शाता है।

आवास निर्माण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी नई गति आई है। डीलर दीदी मॉडल के तहत 9 हजार से अधिक महिला स्व-सहायता समूह सदस्य आवास निर्माण की सामग्री आपूर्ति कर लखपति दीदी बनकर आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं। इसके

अनुरूप कराया गया है। मां महामाया एयरपोर्ट टर्मिनल भवन का उन्नयन 72 यात्रियों के अनुरूप कराया गया। हवाई अड्डे में लगभग 100 वाहन की पार्किंग की व्यवस्था के साथ टर्मिनल भवन तक फोरलेन सड़क का निर्माण कराया गया है।

दिल्ली रूट (सोमवार और बुधवार)

सोमवार (फ्लाइट नं. 91613): दिल्ली से बिलासपुर होते हुए सुबह 11:35 बजे अंबिकापुर पहुंचेगी। वापसी में दोपहर 12:00 बजे अम्बिकापुर से सीधे दिल्ली के लिए उड़ान भरेगी। बुधवार (फ्लाइट नं. 91614): दिल्ली से सुबह 10:25 बजे अम्बिकापुर आगमन और दोपहर 12:00 बजे बिलासपुर होते हुए दिल्ली प्रस्थान करेगी।

कोलकाता रूट (गुरुवार और शनिवार)

शनिवार (फ्लाइट नं. 91763): कोलकाता से बिलासपुर होते हुए सुबह 10:00 बजे अम्बिकापुर आगमन और 10:25 बजे सीधे कोलकाता प्रस्थान करेगी। गुरुवार (फ्लाइट नं. 91765): कोलकाता से सुबह 08:50 बजे अम्बिकापुर आगमन और 09:15 बजे बिलासपुर होते हुए कोलकाता प्रस्थान करेगी।

टीआरटीआई के अधिकारियों-कर्मचारियों को संग्रहालयों के रख-रखाव हेतु आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

रायपुर। आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, (टीआरटीआई) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नवा रायपुर, अटल नगर, सेक्टर-24 परिसर में स्थापित शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय एवं जनजातीय संग्रहालय के रख-रखाव हेतु आपदा प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान की संचालक श्रीमती हिना अग्निषेठ नेताम सहित संस्थान के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। प्रशिक्षण होमागर्डी, सिविल डिफेंस, फायर एंड इमरजेंसी सर्विस एसडीआरएफ के सौजन्य से आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण में एसडीआरएफ की दक्ष टीम द्वारा आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया विषय पर सारागर्भित तकनीकी और अनुभविक जानकारी पुष्परज सिंह के नेतृत्व में दीपक कौशिक एवं राकेश भोयर, सहायक उपनिरीक्षक के द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण पश्चात् आपदा प्रबंधन के व्यवहारिक एवं प्रायोगिक पक्ष का



प्रदर्शन संस्थान के खुले परिसर में किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार की आग आदि जैसी आपदा से तत्कालिक बचाव प्रतिक्रिया से समस्त अमलों और संग्रहालय भ्रमण हेतु आये आगंतुको एवं विद्यार्थियों द्वारा भी हैण्ड्स ऑन प्रैक्टिस की गई।

संस्थान की संचालक हिना अग्निषेठ नेताम द्वारा बताया गया कि, यह प्रशिक्षण सभी के लिये लाभदायक रहा है जो कार्यस्थल और पारिवारिक सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण रहा है। साथ ही आने वाले समय में ऐसे और भी प्रशिक्षण विशेषकर आपातकालीन स्वास्थ्य विषयों पर भी किये जाने हैं।

साथ ही हजारों महिला स्व-सहायता समूहों को आजीविका के अवसर प्राप्त हुए हैं।

साथ ही, 6 हजार से अधिक राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें 1200 से अधिक रानी मिस्त्री शामिल हैं। आत्मसम्पत्ति नक्सलियों को भी इस पहल से जोड़कर उन्हें सम्मानजनक आजीविका के अवसर प्रदान किए गए हैं।

पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए टोल-फ्री नंबर 18002331290 संचालित है। पिछले 10 महीनों में इस पर 1500 से अधिक शिकायतें एवं सुझाव प्राप्त हुए, जिनका त्वरित निराकरण किया गया है। हर माह की 7 तारीख को सभी ग्राम पंचायतों में आवास दिवस के माध्यम से जमीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान किया जा रहा है इसके साथ-साथ ग्राम पंचायत स्तर पर क्यू आर कोड आधारित सूचना प्रणाली से जानकारी सहज उपलब्ध हो रही है।

छत्तीसगढ़ का यह मॉडल अब केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन , समावेशी विकास एवं पारदर्शिता की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में स्थापित हो रहा है।

तीरंदाज कोमालिका बारी खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में दमदार प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त

कोमालिका विश्व कैडेट और विश्व जूनियर खिताब जीतने वाली भारत की दूसरी महिला रिकर्व तीरंदाज हैं

रायपुर। साल 2021 में जब कोमालिका बारी ने अपनी राज्य की साथी दीपिका कुमारी की बराबरी करते हुए विश्व कैडेट और विश्व जूनियर दोनों खिताब जीतने वाली भारत की दूसरी महिला रिकर्व तीरंदाज बनने का गौरव हासिल किया, तब जमशेदपुर की इस खिलाड़ी से काफी सारी उम्मीदें जुड़ गई थीं।

हालांकि, जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद सीनियर सक्रिंट में उनका सफर उतना आसान नहीं रहा। कोमालिका एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट्स के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अभी तक वह पूरी तरह अपनी जगह पकड़ी नहीं कर पाई हैं।

अब 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में चयन की दौड़ अंतिम चरण में पहुंच चुकी है, ऐसे में कोमालिका ने अपनी तैयारियों को और तेज कर दिया है। पुणे में चल रहे प्रशिक्षण शिविर में वह अपनी तकनीक को निखारने के साथ-साथ मानसिक मजबूती और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने पर भी खास ध्यान दे रही हैं।

कोमालिका ने साई मीडिया को कहा कि, मैं फिलहाल टॉप-16 में हूं और राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का हिस्सा हूं। एशियाई खेलों के चयन को लेकर मैं गंभीरता से तैयारी कर रही हूं। साथ ही, मैं ज्यादा से ज्यादा

प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अनुभव हासिल करना चाहती हूं, जबकि अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी बनाए रख रही हूं।

झारखंड की यह प्रतिभाशाली तीरंदाज यहां जारी पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में तीरंदाजी प्रतियोगिता की प्रमुख आकर्षण हैं। कोमालिका ने आगे कहा कि, मेरा अंतिम लक्ष्य (2028) ओलंपिक है। इस समय मेरा प्रशिक्षण काफी अच्छा चल रहा है और मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं। सबसे ज्यादा ध्यान मानसिक रूप से मजबूत रहने पर है, क्योंकि प्रदर्शन में इसकी बहुत बड़ी भूमिका होती है। वह अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहती हैं, मेरी यात्रा ने मुझे सिखाया है कि उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से उन्हें पार कर आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मैच अनुभव हासिल करने के अलावा वह अधिक से अधिक जनजातीय बच्चों को इस खेल को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहती हैं।

कोमालिका ने 12 साल की उम्र में पहली बार धनुष-

बाण उठाया। उन्हें उनकी मां, जो एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं, का पूरा समर्थन मिला। उनकी मां ही उन्हें बिरसानगर में स्थानीय तीरंदाजी कोच के पास लेकर गईं, जहां से उनके करियर की शुरुआत हुई। साल 2012 में कोमालिका ने अपने शुरुआती संघर्षों का सामना करना शुरू किया। शुरुआती दिनों में उनके परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी कि वे अभ्यास के लिए धनुष खरीद सकें, इसलिए उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान

बांस से बने अस्थायी धनुष का सहारा लिया।

प्रशिक्षण शुरू करने के चार साल बाद कोमालिका ने जमशेदपुर स्थित टाटा आर्चरी अकादमी में प्रवेश लिया और कोच धर्मेद्र तिवारी तथा पूर्णिमा महतो के मार्गदर्शन में अभ्यास शुरू किया। लेकिन देश की इस प्रतिष्ठित अकादमी तक पहुंचने का सफर आसान नहीं था, क्योंकि उन्हें अपने बिरसानगर स्थित घर से रोजाना 18 किलोमीटर साइकिल चलाकर वहां पहुंचना पड़ता था।

वह कहती हैं, जब मैंने तीरंदाजी शुरू की थी, तब मेरे कई सीनियर खिलाड़ी थे जिन्हें मैं रोल मॉडल मानती थी। हमें उन्हें आमतौर पर सिर्फ प्रतियोगिताओं के दौरान

देखने का मौका मिलता था और इससे हमें काफी प्रेरणा मिलती थी।

उन्होंने आगे कहा कि , यही एक बड़ा कारण है कि मैं खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में हिस्सा ले रही हूं। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे खेलते हुए देखें और आगे आकर भाग लेने के लिए प्रेरित हों। अभी भी कई लोग भाग नहीं ले रहे हैं, लेकिन खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स एक बहुत अच्छा मंच है, जो प्रेरणा और अवसर दोनों प्रदान करता है। 24 वर्षीय कोमालिका रायपुर में जारी प्रतियोगिता में व्यक्तिगत, टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में हिस्सा ले रही है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2020 में व्यक्तिगत रजत पदक जीत चुकी कोमालिका इस मंच के महत्व को भली-भांति समझती हैं और मानती हैं कि ट्राइबल गेम्स जनजातीय पृष्ठभूमि से आने वाले खिलाड़ियों के विकास को नई गति दे सकते हैं। वे कहती हैं कि, ट्राइबल गेम्स पूरे खेल पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने की क्षमता रखते हैं, खासकर जनजातीय खिलाड़ियों के लिए। खेलो इंडिया द्वारा उठाया गया यह कदम और इन खेलों का आयोजन बेहद प्रभावशाली है। आमतौर पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं एक ही खेल पर केंद्रित होती हैं, लेकिन यहां कई खेल एक साथ आयोजित किए जा रहे हैं, ठीक राष्ट्रीय खेलों की तरह।

ममता को क्यों महसूस हो रहा है अघोषित आपातकाल?

सच्येंद्र प्रताप सिंह

जितना भी चोरी छिपे राष्ट्रपति शासन लगा लो, मैं अकेली ही एक सौ हूं। मैं अवाक हूं कि इतना भय! इतनी भी हिम्मत नहीं है कि मुझसे एकबार चर्चा तो कर लें। चीफ सेक्रेटरी, होम सेक्रेटरी, डीजीपी, सीपी सब बदल दिए। यदि कोई दुर्घटना हुई तो इसका जिम्मेदार बीजेपी और वैजिण कुमार (ज्ञानेश कुमार) होंगे। एक महीना बाद मैं ही रहूंगी और मेरे यह लोग। फिर क्या होगा? राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपनी चुनावी रैली की शुरुआत इससे ही कर रही हैं। दूसरी तरफ ममता सरकार और टीएमपी के वकीलों के पैनल के सदस्य अर्क कुमार नाग ने कलकत्ता हाइकोर्ट में एक पीआईएल (जनहित याचिका) दायर की है। चीफ जस्टिस सुजय पाल और जस्टिस पार्थसारथी सेन के बेंच में इसकी सुनवाई भी चालू हो गई है। सुनवाई के दौरान तृणमूल सांसद वकील कल्याण बनर्जी ही पक्ष रख रहे हैं। कल्याण बनर्जी ने पूछा कि क्या राष्ट्रपति शासन लग चुका है? जिस तरह से तबादले हुए हैं वह राष्ट्रपति शासन के दौरान ही होते हैं। 63 पुलिस ऑफिसर, 16 आईएसएस और 13 पुलिस सुपर को उनके पदों से अब तक हटया जा चुका है। आगे भी होगी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है। सवाल यह है कि आखिर ममता बनर्जी, इनकी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्त्ताओं, समर्थकों को क्यों लग रहा है कि अघोषित राष्ट्रपति शासन लग चुका है? दरअसल इस राज्य में सात से आठ चरणों में मतदान होता था, इस दफे दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। दो चरणों में मतदान 49 साल बाद हो रहा है, जनता पार्टी के शासनकाल में 1977 में दो चरणों में आखिरी बार मतदान हो रहा है। बंगाल में जितने अधिक चरणों में मतदान होता है, इसका लाभ सत्ताधारी दल को होता है। चुनाव आयोग ने 15 मार्च की शाम को विधानसभा चुनाव की घोषणा की। उसी रात चुनाव आयोग ने चीफ सेक्रेटरी नंदिनी चक्रवर्ती, होम सेक्रेटरी जगदीश प्रसाद मौना, डीजीपी, सीपी कोलकाता, एडीजी लॉ एंड आर्डर और डीआईजी को उनके पदों से हटाकर नई नियुक्तियों की घोषणा कर दी। ममता बनर्जी इससे काफी खफा हुईं और हटए गए अधिकारि लोगों को अन्यत्र पोस्टिंग कर दीं। नवात्र की इस नियुक्ति को चुनाव आयोग ने निरस्त कर दिया और पंद्रह आईपीएस अफसरों को अन्य चुनावी राज्यों तमिलनाडु, केरल, असम व पुडुचेरी में ऑब्ब्वर बनाकर भेज दिया। तीन दिन बाद चुनाव आयोग ने 18 मार्च को राज्य के 11 जिलों के डीएम का तबादला कर दिया। यह जिला हैं कुच विहार, जलपाईगुड़ी, उत्तर दिनाजपुर, मालदा, मुर्शिदाबाद, नदिया, पूर्वी बर्दवान, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, दार्जिलिंग और अलीपुरद्वार। इसके बाद 23 मार्च को चुनाव आयोग ने 294 विधानसभा सीटों में से 73 के रितिंगिन ऑफिसर का तबादला कर दिया। इसमें नंदीग्राम से 2011 बैच के डब्ल्यूबीसीएस सुरजीत रॉय का भी नाम है, जिन्हें भवानीपुर तबादला किया है। गौरतलब है कि नंदीग्राम से विधायक व नेता विरोधी दल शुभेंद्र अधिकारी इस दफे नंदीग्राम के साथ साथ भवानीपुर से भी ममता बनर्जी के विरुद्ध चुनाव लड़ रहे हैं। याद दिलाना लाजमी होगा कि गत विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को शुभेंद्र अधिकारी ने नंदीग्राम में ही परास्त किया था। चुनाव में रितिंगिन ऑफिसर को बेहद महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रितिंगिन ऑफिसर के तबादले के एक दूसरी सूची भी आ गई है और उम्मीद की जा रही है कि आगे भी इस तरह की और सूची आ सकती है। अभी तक सर्वाधिक तबादले उत्तर 24 परगना जिला में हुए हैं। अभी तक 13 के तबादले हो चुके हैं। इसके बाद दक्षिण 24 परगना और पूर्वी मिदनापुर से दस दस तबादले हुए हैं। यह सभी एसडीओ स्तर के अधिकारी हैं।

पुराण दिग्दर्शन

सन्देहभासनिकारणाध्यायः (नौवां अध्याय)

(गतांक से आगे....)

इसी प्रकार अनादि काल से ऐतिहासिक पक्ष वाले महर्षिजन भी वेदों की तत्तु आख्यायिकाओं को वैयक्तिक इतिहास की निदर्शक समझते रहे हैं। इसलिये वेदों के विशेषममंज़ यास्काचार्य्य ने अपने परम प्रसिद्ध, निरुक्त ग्रन्थ में स्थान स्थान पर इति ऐतिहासिकाः, अथेतिहासमाचक्षते इत्यादि स्पष्ट लिखकर ऐतिहासिक पक्ष को भी उचित सम्मान दिया है। प्रस्तुत, उपर्युक्त आख्यायिका का वैयक्तिक इतिहास से सम्बन्ध है ग्रन्थ में स्थान स्थान पर इति

कदाचित् कोई ऐसी आशङ्का करे कि रूपक-प्रायः इस श्राध्थायिका को मानव-इतिहास के साथ सम्बन्ध करने वाले ऐतिहासिकों के पास वे कौन प्रमाण तथा क्या युक्तियें हैं कि जिनके आधार पर इस प्रसङ्ग का तत्तु व्यक्तियों से सम्बन्ध माना जा सके? – तो इसके उत्तर में यही कहना पर्याप्त होगा कि इस आख्यान के मूल शब्द ही इसके ऐतिहासिक होने

की स्पष्ट सूचना देते हैं, जैसे कि पूर्वोक्त वैदिक-स्वरूप में दिये गये च भाग निदिभ- ग्रहत्याया ह मैत्रेय्याः (इन्द्र) (षड्विंश 111) आदि प्रमाण में अहत्या का विशेषण मैत्रेयी दिया है।

व्याकरण के स्त्रीभ्यो ढक् (4।1। 120) सूत्र के अनुसार मित्रा नामक स्त्री की अपत्यभूत कन्या को ही मैत्रेयी कहा जा सकता है-कदाचित् वेद में उपर्युक्त आख्यान को रूपकमात्र बतलाना अभीष्ट होता तो मैत्रेयी विशेषण द्वारा अहत्या को अमुक की अपत्य कहने की कुछ भी आवश्यकता न थी।

इसलिये मैत्रेयी विशेषण ही इस तथ्य का पर्याप्त निदर्शक है कि उक्त कथानक का वैयक्तिक इतिहास से भी सम्बन्ध है। सम्भवतः अहत्या महर्षि याज्ञवल्क्य की अन्यतम धर्मपत्नी मैत्रेयी की ही बहिन लगती होगी, समान नाम और सम-कालीनता इस अनुमान के पोषक हैं।

क्रमशः ...



आज जिस तरह से पूरी दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है और खून-खराबा हो रहा है, उससे आज फिर महावीर स्वामी की जरूरत आन पड़ी है। उनके जिओ और जीने दो का संदेश आज फिर प्रासंगिक है। भगवान महावीर का जीवन करीब ढाई हजार साल से पूरी दुनिया को अहिंसा का पाठ पढ़ा रहा है। पंचशील सिद्धान्त के प्रवर्तक और जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के प्रमुख ध्वजेवाहकों में हैं। जैन ग्रंथों के अनुसार 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी के मोक्ष प्राप्ति के बाद 298 वर्ष बाद महावीर स्वामी का जन्म? ऐसे युग में हुआ जहां पशु बलि, हिंसा और जाति-पाति का भेदभाव, अन्य अर्धविश्वास और कुरीतियां थी। महावीर स्वामी ने दुनिया को ये बताया कि धर्म

मुस्ताअली बोहरा

आज जिस तरह से पूरी दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है और खून-खराबा हो रहा है, उससे आज फिर महावीर स्वामी की जरूरत आन पड़ी है। उनके जिओ और जीने दो का संदेश आज फिर प्रासंगिक है। भगवान महावीर का जीवन करीब ढाई हजार साल से पूरी दुनिया को अहिंसा का पाठ पढ़ा रहा है। पंचशील सिद्धान्त के प्रवर्तक और जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के प्रमुख ध्वजेवाहकों में हैं। जैन ग्रंथों के अनुसार 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी के मोक्ष प्राप्ति के बाद 298 वर्ष बाद महावीर स्वामी का जन्म? ऐसे युग में हुआ जहां पशु बलि, हिंसा और जाति-पाति का भेदभाव, अन्य अर्धविश्वास और कुरीतियां थी। महावीर स्वामी ने दुनिया को ये बताया कि धर्म

ट्रंप की हठधर्मिता से धराशाई हुई अमेरिकी प्रभुत्व की धारणा

तनवीर जाफ़री

निःसंदेह संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व के सर्वशक्तिशाली देशों में अपना सर्वोच्च स्थान रखता है। यही वजह है कि दुनिया के अधिकांश देश सर्वशक्तिमान अमेरिका से अपने मधुर सम्बन्ध बनाये रखना ही बेहतर समझते हैं। अपने प्रभुत्व या दबदबे को कायम रखने के लिये अमेरिका भी अन्य देशों के बीच बांटो और राज करो का खेल खेलता आ रहा है। इसी धिनौने खेल के तहत वह दुनिया के लगभग 57 इस्लामिक देशों में शिया सुन्नी मतभेद को हवा देता रहता है। और इसी प्रोपेगेंडा की आड़ में अमेरिका कई इस्लामिक देशों में सामरिक महत्व के अनेक अड्डे संचालित कर रहा है। विदेश संबंध परिपद के अनुसार अमेरिका इस क्षेत्र में कम से कम 19 देशों पर स्थायी और अस्थायी दोनों तरह के सैन्य ठिकानों का एक व्यापक नेटवर्क संचालित करता है। इनमें बहरीन, मिस्र, इराक्, जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित आठ स्थाई सैन्य अड्डे भी शामिल हैं। अधिकांश इस्लामिक देशों में सैन्य अड्डे संचालित करने के बदले अमेरिका को वहाँ की सरकारों से भारी धन भी मिलता है।

उदाहरण के तौर पर सऊदी अरब जैसा इस्लामिक देश अमेरिका को अपने यहां तैनात अमेरिकी सैनिकों के खर्च को आंशिक तौर पर उठाने के बदले में लगभग 500 मिलियन डॉलर देता आ रहा है। अमेरिका और मेज़बान देश आमतौर पर स्टेट्स ऑफ़ फ़ोर्सैज़ एग्रीमेंट और अन्य रक्षा समझौतों के तहत तय करते हैं कि कौन कितना खर्च उठाएगा। इन देशों को भी अमेरिकी संरक्षण, हथियारों की बिक्री, प्रशिक्षण, रक्षा गश्बन्धन और अंतर्राष्टीय क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ने के रूप में लाभ होता है, जिसके बदले वे अमेरिकी सैनिकों के खर्च या उपयोग के लिए कुछ न कुछ भुगतान या संसाधन देते हैं। अमेरिका दशकों से इसी नीति पर चलते हुये अनेक तेल उत्पादक इस्लामिक देशों से अपनी आवश्यकतानुसार तेल लेता है साथ ही इनकी सुरक्षा



के नाम पर इन्हें हथियार भी बेचता है। कुल मिलकर इस प्रपंच के पीछे वह इन देशों को यही सन्देश देता आ रहा है कि –अमेरिका ही तुम्हारा रक्षक है अन्यथा ईरान जैसा देश मध्य एशिया के खाड़ी देशों को निगल जायेगा।

परन्तु गत 28 फ़रवरी से अमेरिका व इस्राईल द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध के बाद ईरान ने स्वयंभू महाबली अमेरिका को जिसतरह उसकी ओंकात दिखाई है उसने अमेरिका व इस्राईल सहित स्वयं को अमेरिकी सैन्य ठिकानों के बल पर सुरक्षित रहने की दशकों से ग़ुलत धारणा पाले बैठे इस्लामिक देशों को भी बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर दिया है। ईरान ने जिन लगभग 8 मुस्लिम देशों पर हमले किए इनमें सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, बहरीन, जॉर्डन व इराक् जैसे देशों के नाम शामिल हैं। इन ईरानी हमलों में असली निशाना खाड़ी देशों में फैले अमेरिकी सैन्य ठिकाने थे, न कि इन देशों के सार्वभौमिक इलाक़े। इन हमलों से अमेरिका की रडार, संचार-सिस्टम,थाड एंटी-मिसाइल रडार, हैंगर, रिफ्युलिंग विमान और ढांचा जैसे संवेदनशील टारगेट पर निशाने साधे जिससे अमेरिकी सैन्य संचालन की क्षमता कहीं घटी तो कहीं बिल्कुल ही समाप्त हो गयी।

इन्हीं ईरानी हमलों के बाद अमेरिका को अपना रक्षक समझने वाले खाड़ी के इस्लामिक देशों को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि जब अमेरिका खुद

अपने सैन्य ठिकानों की हिफ़ाज़त नहीं कर सका तो वह दूसरे देशों की रक्षा कैसे करेगा ? इन्हीं हालात ने इस्लामिक देशों को यह सोचने के लिये भी मजबूर किया है कि अमेरिका पर सुरक्षा हेतु निर्भर रहने से बेहतर है इस्लामिक देशों के परस्पर मधुर संबंध बनाना। और साथ ही इनमें से कई इस्लामिक देशों ने अमेरिका व इसाईल द्वारा खड़े किये गये शिया-सुन्नी मतभेद के पीछे की चाल को भी पहचान लिया है। इसीलिये पूर्णतयः अमेरिकी अनुकम्पा पर आश्रित रहने वाले चंद पिछलग्गू देशों के सिवा अधिकांश देशों ने अमेरिका से फ़ासला बनाकर रखने का मन बना लिया है।

ट्रंप ने इस्राईल के दबाव अथवा बहकावे में आकर अपने ज़िद्दीपन के चलते ही ईरान विरोधी सैन्य अभियान में शामिल होने जैसा जो घातक फ़ैसला किया है उससे दुनिया के अनेक देश ही ख़िलाफ़ नहीं बल्कि अमेरिका में घरेलू स्तर पर भी काफी विरोध के स्वर बुलंद हुये हैं। गत दिनों किये गये अनेक सर्वेक्षणों में लगभग 50 से 60 प्रतिशत तक अमेरिकियों ने ईरान के ख़िलाफ़ जारी सैन्य हमलों का विरोध किया है या ट्रंप के इस निर्णय से अपनी असहमति ज़ाहज़ है। कई सर्वेक्षणों में तो इन्हें अत्यधिक हस्तक्षेप या अनावश्यक युद्ध तक की संज्ञा भी दी गयी है।

डेमोक्रेट पार्टी के विशेष जनसमूह और कई उदारवादी व प्रगतिशील संगठनों ने ट्रंप की ऐसी नीतियों के ख़िलाफ़ प्रदर्शन किये ऑनलाइन अभियान चलाये और कांग्रेस में प्रस्ताव लाकर इसका विरोध भी किया है। कांग्रेस में डेमोक्रेट नेता टिम केन द्वारा रिपब्लिकन रेंड पॉल के साथ एक द्विदलीय वार पावर रैज़ोल्यूशन भी लाया गया जिसका उद्देश्य ट्रंप को ईरान के ख़िलाफ़ हथियारबंद अभियान सीमित करने के लिए बाध्य करना था। हालांकि यह प्रस्ताव खारिज ज़रूर हो गया, परन्तु

इसके द्वारा अमेरिका में ही ट्रंप की नीतियों का औपचारिक विरोध ज़रूर उजागर हुआ। कई प्रमुख अमेरिकी मीडिया और विदेश नीति विशेषज्ञों ने ईरान में युद्ध को ग़ुलत अमेरिकी रणनीति बताया और इसे इस्राईल के दबाव में घसीटा गया युद्ध और अमेरिकी संसाधनों के व्यर्थ बर्बादी के रूप में वर्णित किया गया है। ट्रंप की नीतियों का यह विरोध इस स्तर तक पहुँच गया कि अमेरिकी राष्ट्रीय आतंकवाद-विरोधी केंद्र के निदेशक जोसेफ़ केंट ने ईरान के साथ जारी युद्ध के विरोध में अपने पद से इस्तीफ़ा तक दे दिया। अपने इस्तीफ़े के पत्र में जोसेफ़ केंट ने स्पष्ट लिखा कि ईरान से अमेरिका को कोई तत्काल ख़तरा नहीं लाओं और यह युद्ध इस्राईल और उसकी अमेरिकी लांबी के दबाव में शुरू किया गया है, इसलिए वे इसका समर्थन नहीं कर सकते। ट्रंप प्रशासन के भीतर कुछ राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफ़िया विभाग के अधिकारियों में भी ईरान युद्ध के विरुद्ध असंतोष और मौन विरोध है।

कहना गुलत नहीं होगा कि राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी इतिहास के अब तक के सबसे पहले ऐसे राष्ट्रपति हैं जिन्होंने अपने बड़बोलैपन,घातक व आँधीर निर्णयों से अमेरिका की छवि को गहरा धक्का पहुँचाया है। जब जिस देश पर चाहे मनमाना टेर्रफ़ लातकार अन्य देशों को विचलित करना,कभी कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बना देना,कभी वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मद्रुरै पर उनकी पत्नी का जबरन अपहरण कर लेना कभी ड्रीन लैंड पर कब्ज़े की बात करना कभी क्यूबा पर हमला करने की बातें कर दूसरे देशों की संप्रभुता को ठेगा दिखाना तो कभी ईरान युद्ध को लेकर बुरी तरह फंसने के बाद युद्ध से बाहर निकलने के लिये तरह तरह के झूठ बोलना व बहाने तलाशना और सोने में महवीरों के लिए एक्सटीम फ़ाइल्स में ट्रंप जैसों का नाम आने के बाद इनकी बौखलाहट का और अधिक बढ़ जाना इस नतीजे पर पहुँचने के लिये काफी है कि ट्रंप की हठधर्मिता ने अमेरिकी प्रभुत्व की वैश्विक धारणा को पूरी तरह धराशाई कर दिया है।



किए जाते हैं। इनमें यात्री क्षमता, क्षेत्रफल और उड़ानों की संख्या शामिल होती है। देश के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट के आधार पर सबसे बड़ा दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। वहीं, क्षेत्रफल के लिहाज से हैदराबाद एयरपोर्ट सबसे बड़ा है। उड़ानों की दृष्टि से सबसे बड़ा एयरपोर्ट दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट हैं। जेवर एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद इसे सबसे बड़ा माना जाएगा। देश के पांच सबसे बड़े एयरपोर्ट होगा।

सबसे पहले, यह एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार और निवेश के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करेगा। अभी तक दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर अत्यधिक दबाव रहता है, लेकिन जेवर एयरपोर्ट उस दबाव को कम करेगा और क्षेत्र में हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा। इससे निर्यात, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। दूसरा, यह परियोजना रोजगार के विशाल अवसर पैदा करेगी। निर्माण चरण से लेकर संचालन तक लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। आसपास के क्षेत्रों—जैसे ग्रेटर नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़—में औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। तीसरा, यह एयरपोर्ट मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी' का केंद्र बनेगा। एक्सप्रेसवे, मेट्रो और रेल नेटवर्क से जुड़कर यह क्षेत्र एक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित होगा। इससे किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्योगों को अपने उत्पाद देश-विदेश तक पहुंचाने में आसानी होगी।

चौथा, विदेशी निवेश को आकर्षित करने में यह अहम भूमिका निभाएगा। जब वैश्विक कंपनियां बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर देखती हैं, तो वे निवेश के लिए अधिक इच्छुक होती हैं। इससे मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों को

मजबूती मिलेगी।

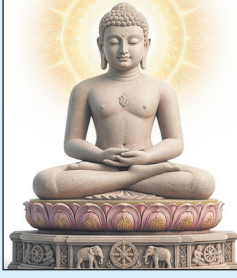
हालांकि, विकास के इस मॉडल में कुछ चुनौतियां भी हैं—जैसे पर्यावरण संतुलन और स्थानीय लोगों के पुनर्वास के मुद्दे। इनका संवेदनशील और संतुलित समाधान जरूरी है, ताकि विकास समावेशी और टिकाऊ बन सके।

उत्तर प्रदेश लंबे समय से अपनी विशाल जनसंख्या, कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था और सीमित औद्योगिक विस्तार के कारण विकास की चुनौतियों से जूझता रहा है। ऐसे में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण न केवल एक बुनियादी ढांचा परियोजना है, बल्कि यह राज्य की आर्थिक तस्वीर बदलने की क्षमता रखने वाला ऐतिहासिक कदम है। सबसे पहले, यह एयरपोर्ट क्षेत्रीय और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। दिल्ली-एनसीआर के बढ़ते दबाव को कम करते हुए यह नया हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन और निवेश को आकर्षित करेगा। जब दुनिया के बड़े शहरों से सीधी उड़ानें जुड़ेंगी, तो विदेशी कंपनियों के लिए उत्तर प्रदेश में निवेश करना अधिक आसान और लाभदायक होगा।दूसरा महत्वपूर्ण पहलू रोजगार का है। एयरपोर्ट के निर्माण से लेकर उसके संचालन तक लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। होटल, परिवहन, लॉजिस्टिक्स, वेंयरहाउसिंग और रिटेल जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं खुलेंगी। आसपास के क्षेत्रों में छोटे और मध्यम उद्योगों को भी गति मिलेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।तीसरा, यह परियोजना औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के तहत विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों को इस एयरपोर्ट से सीधा लाभ मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स, मैन्यूफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में यह क्षेत्र तेजी से उभर सकता है। हालांकि, हर बड़े विकास के साथ चुनौतियां भी आती हैं। भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के पुनर्वास जैसे मुद्दों को संवेदनशीलता और परादर्शिता के साथ संभालना होगा। यदि इन पहलुओं की अनदेखी हुई, तो विकास का यह मॉडल असंतुलित हो सकता है। यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि नोएडा इंटरनेशनल

एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिए केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना नहीं, बल्कि आर्थिक पुनर्जागरण का माध्यम बन सकता है। यदि सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर इसे योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएं, तो यह राज्य को न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर नई पहचान दिला सकता है।

यूपी को बीमारू छवि से बाहर निकालेगा
उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि उत्तर भारत के लिए विकास का नया इंजन बनने जा रहा है।सबसे बड़ी विशेषता इसकी वृहद क्षमता और चरणबद्ध विस्तार योजना है।। पूर्ण रूप से विकसित होने पर यह एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट्स में शामिल होगा। शुरुआत में ही इसकी रनवे क्षमता और यात्री संभालने की व्यवस्था इसे भविष्य के दबाव के लिए तैयार बनाती है। अहम विशेषता है इसकी बेहतरीन कनेक्टिविटी। यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के बड़े हिस्सों को सड़क, रेल और मेट्रो नेटवर्क से जोड़ेगा। इससे न केवल यात्रा आसान होगी, बल्कि व्यापार और उद्योग को भी नई गति मिलेगी। अन्य खासियत है इसका ग्रीन और सस्टेनेबल डिजाइन। यह भारत का पहला ऐसा एयरपोर्ट बनने की दिशा में है, जो पूरी तरह से नेट ज़ीरो एमिशन के लक्ष्य को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। सोलर एनर्जी, जल संरक्षण और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण इसे भविष्य के एयरपोर्ट्स का मॉडल बनाते हैं। इसके अलावा, यह एयरपोर्ट काफ़ी हब के रूप में भी उभरेगा। कृषि, और निर्यात आधारित उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुंच मिलेगी। इससे स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। सामाजिक दृष्टि से भी यह परियोजना महत्वपूर्ण है। क्षेत्र में रोजगार सृजन, शहरीकरण और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे आसपास के जिलों का समग्र विकास संभव होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना नहीं, बल्कि नए भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक है। यदि इसे समयबद्ध और संतुलित तरीके से पूरा किया गया, तो यह उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश की आर्थिक उड़ान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

महावीर जयंती



से जाना जाता है जैसे अर्हत, जिन, निर्ग्रंथ, महावीर, अतिवीर आदि। इनके जिन नाम से ही आगे चलकर इस धर्म का नाम जैन धर्म पड़ा। महावीर स्वामी का जन्म 599 ई.पू. (कुछ विद्वानों के अनुसार 540 ई.पू.) चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन बिहार राज्य के वैशाली के अन्तर्गत कुण्डग्राम नामक गाँव में हुआ था। भगवान महावीर की माता महारानी त्रिशला और पिता महाराज

तेजस्वी, ज्ञान पिपासु और अत्यंत बलशाली होने के कारण महावीर कहलाए। भगवान महावीर ने अपनी इन्द्रियों को जीत लिया था, जिस कारण इन्हें जीतेंद्र भी कहा जाता है। महावीर स्वामी को और भी नामों

महावीर स्वामी का जन्म 599 ई.पू. (कुछ विद्वानों के अनुसार 540 ई.पू.) चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन बिहार राज्य के वैशाली के अन्तर्गत कुण्डग्राम नामक गाँव में हुआ था। भगवान महावीर की माता महारानी त्रिशला और पिता महाराज

सिद्धार्थ थे। जैन शास्त्रों के अनुसार वैशाली नगरी के निकट कुण्डग्राम में राजा सिद्धार्थ अपनी पत्नी प्रियकारिणी के साथ निवास करते थे। इन्द्र ने यह जानकर कि प्रियकारिणी के गर्भ से तीर्थंकर पुत्र का जन्म होने वाला है, उन्होंने प्रियकारिणी की सेवा के लिए षटकुमारिका देवियों को भेजा। प्रियकारिणी ने ऐरावत हाथी को खेप देखा जिससे राजा सिद्धार्थ ने भी यही अनुमान लगाया कि तीर्थंकर का जन्म होगा। आषाढ़, शुक्ल पक्ष की षष्ठी के अवसर पर पुष्पोत्तर विमान से आकर प्राणतेन्द्र ने प्रियकारिणी के गर्भ में प्रवेश किया। चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को सोमवार के दिन वर्धमान का जन्म हुआ। देवताओं को इसका पूर्वाभास था। अत सबने विभिन्न प्रकार के उत्सव मनाये तथा बालक को विभिन्न नामों से विभूषित किया।

आज का इतिहास

- 1889 पेरिस का मशहूर एफिल टावर आधिकारिक तौर पर खुला।
- 1901 काला सागर में 7.2 तीव्रता का भूकंप आया, जो क्षेत्र में अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप है।
- 1910 छह अंग्रेजी शहरों ने अपने प्रकार के पहले संघ के एकल काउंटी बोरोकॉलड स्टोक-ऑन-ट्रेंट बनाने के लिए समामेलित किया।
- 1917 अमेरिका ने 25 मिलियन डॉलर में डेनिश वेस्ट इंडीज खरीदा और उसका नाम वर्जिन आइलैंड रखा।
- 1930 सरकारी सेंसरशिप से बचने के लिए, हॉलीवुड फिल्म स्टूडियो ने उद्योग सेंसरशिप दिशानिर्देशों के अपने स्वयं के सेंट की स्थापना की, जिसे हेस कोड के रूप में जाना जाता है।
- 1946 द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूनायन में पहली बार मतदान हुआ।
- 1964 ब्राजील के सशस्त्र बलों ने ब्राजील के राष्ट्रपति जोओ गौलार्ड के एक ओवर थ्रो का नेतृत्व किया और एक सैन्य सरकार की स्थापना की जो 21 वर्षों तक चली।
- 1966 सोवियत रूस ने पहला चंद्रयान लूना-10 लॉन्च किया।
- 1983 कोलंबिया के शहर पोपायम में आए विनाशकारी भूकंप में 500 लोगों की मौत हुई।
- 1986 मेक्सिको विमान 940 के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से सवार सभी 167 यात्रियों की मौत हो गई।
- 1995 बॉम्बे ने पंजाब की हराकर पहली पारी में क्रिकेट रणजी ट्रॉफी जीती।
- 1995 अमेरिकी गायिका-गीतकार, सेलेना, जिसे द क्वीन ऑफ़ टोजानो म्यूजिक के रूप में जाना जाता है, की हत्या कॉरपस क्रिस्टी, टेक्सास में की गई थी, जो उनके फैन क्लब, योलान्ड साल्डीवर द्वारा की गई थी।
- 1996 स्पेस शटल STS-76 (अटलॉन्टिस 16) सुरक्षित रूप से भूमि।
- 1997 एबीसी-टीवी पर पुराने साबुन दिखाने वाली श्रृंखला याद करने का दिन।
- 2002 21 वीं एनसीएए महिला बास्केटबॉल चैंपियनशिप सैन एंटोनियो में आयोजित की गई थी।
- 2011 मिडस्टैंड में अशांति के दौरान, एक्टिविस्ट्स का दावा है कि चीन ने हाल के वर्षों में असंतुष्टों पर सबसे बड़ी कार्रवाई शुरू की है
- 2014 अंटार्कटिक में सभी व्हेलिंग गतिविधियों को रोकने के आदेश को यू.एन. इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार स्वीकार करता है। जापानी व्हेल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए आयोजित की जाती है, वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए नहीं।

पुदुच्चेरी की सियासत में छोटे दलों की अहमियत

आदिति फडणीस

पुदुच्चेरी को 1962 में केंद्र शासित क्षेत्र घोषित किए जाने के बाद कई दशकों तक उसकी राजनीति को उसके पड़ोसी राज्य तमिलनाडु की राजनीति की नकल माना जाता रहा। यह कुछ हद तक नकल थी भी और नहीं भी। दोनों क्षेत्रों के औपनिवेशिक शासक अलग-अलग थे- तमिलनाडु (तत्कालीन मद्रास प्रांत) में ब्रिटिश और पुदुच्चेरी में फ्रांसीसी। इसका असर भू-राजस्व और स्वामित्व पर पड़ा। मद्रास में रैयतवारी प्रणाली के तहत किसानों पर व्यक्तिगत कर लगाया जाता था, जबकि फ्रांसीसी व्यापार पर कर लगाने पर अधिक निर्भर थे, जिसका पूंजी निर्माण और शासक वर्ग के उदय पर प्रभाव पड़ा।

शासन प्रणाली भी अलग थी। फ्रांसीसी स्थानीय निकायों को महत्व देते थे, जबकि ब्रिटिश ऐसा नहीं करते थे। यह एक अलग बात है कि पुदुच्चेरी के भारत का हिस्सा बनने के बाद से लगभग 65 वर्षों में स्थानीय निकाय चुनाव केवल दो बार हुए हैं और हाल ही में एक पूर्व सांसद ने शीघ्र चुनाव के लिए सर्वोच्च न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की है।

तमिलनाडु के विपरीत पुदुच्चेरी की राजनीति में जाति प्रमुख कारक नहीं है, हालांकि यहां 6.2 प्रतिशत ईसाई और 6 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है। तमिलनाडु में भी लगभग यही संख्या है।

दोनों क्षेत्रों में एक ही भाषा बोली जाती है और पुदुच्चेरी के लोगों में एमजी रामचंद्रन और बाद में जयललिता के प्रति अथाह दीवानगी थी। तमिलनाडु में 1977 में अन्नाद्रमुक के सत्ता में आने से पहले उसकी पहली बड़ी चुनावी जीत (1973 के दिंडीगुल लोकसभा उपचुनाव को छोड़कर) पुदुच्चेरी में हुई थी, जहां उसने 1974 और फिर 1977 में विधानसभा के पहले चुनावों में जीत हासिल की थी।

वर्ष 1979 में अन्नाद्रमुक के प्रति आकर्षण कम होने लगा, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई और तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन के बीच पुदुच्चेरी का केंद्र शासित क्षेत्र का दर्जा समाप्त करने और इसे तमिलनाडु में विलय करने के लिए बातचीत की खबरें आईं। वर्ष 1980 में इंदिरा गांधी की वापसी के साथ केंद्र में कांग्रेस के उदय ने पुदुच्चेरी कांग्रेस को पार्टी के



तमिलनाडु स्थित गढ़ में एक अलग इकाई बना दिया, जहां चेन्नई गठबंधन सहयोगियों सहित हर चीज को नियंत्रित करता था।

वर्ष 2011 में एन रंगास्वामी ने कांग्रेस से नाता तोड़कर अपनी कांग्रेस (अखिल भारतीय एन रंगास्वामी कांग्रेस या एआईएनआरसी) का गठन किया। पुदुच्चेरी में भाजपा की स्थिति खराब थी। वर्ष 2016 के विधानसभा चुनावों में उसने 30 सीटों पर चुनाव लड़ा और 29 सीटों पर उसकी जमानत जब हो गई, इसलिए भाजपा ने एआईएनआरसी को एक मूल्यवान संभावित सहयोगी के रूप में पहचाना और सरकार में भागीदारी के बदले रंगास्वामी को

मुख्यमंत्री पद सौंप दिया। वर्ष 2021 में आंध्र प्रदेश के अलावा पुदुच्चेरी दक्षिण भारत का दूसरा राज्य बन गया जहां भाजपा सरकार में भागीदार बनी। वर्ष 2021 में विधानसभा चुनावों में भाजपा ने छह सीटें जीतीं। इससे पहले वह कर्नाटक में भी ऐसा

कर चुकी थी (और बाद में उसने आंध्र प्रदेश में भी यही किया)।

पुदुच्चेरी में कांग्रेस और अन्नाद्रमुक के लगभग पतन से पुरानी व्यवस्था के ढहने का खतरा तो भाजपा को दिख रहा है, लेकिन वह इसका पूरा फायदा नहीं उठा पाई है। इसके बजाय नई पार्टियां उभर कर सामने आई हैं। पिछले साल कोयंबतूर के कारोबारी सैंटियागो मार्टिन, जिन्हें भारत का ‘लॉटरी किंग’ कहा जाता है, द्वारा लचिया जन्नायका कट्ची (एलजेके) की स्थापना इसका एक उदाहरण है।

भारतीय चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, उनकी कंपनी फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने अप्रैल 2019 से जनवरी 2024 के बीच 1,368 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड खरीदे। इसमें से द्रमुक को 509 करोड़ रुपये मिले, लेकिन उन्होंने तुणमूल कांग्रेस और भाजपा को भी चंदा दिया।

मार्टिन ने आगामी चुनावों के लिए भाजपा के साथ गठबंधन किया है (वह पहले भाजपा में थे लेकिन 2015 में उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी), जिससे अन्नाद्रमुक नाराज है और उसने इस गठबंधन पर अपनी नाराजगी जाहिर कर दी है।

मार्टिन के दामाद आधव अर्जुन इस महीने की शुरुआत में अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्टी कषगम (टीवीके) में शामिल हो गए, जिससे टीवीके की पुदुच्चेरी की राजनीति में प्रवेश करने का एक अनूठा अवसर मिला। पार्टी सभी 30 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। आधव का राजनीतिक करियर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने प्रशांत किशोर की टीम में रणनीतिकार के रूप में शुरुआत की, द्रमुक से विदुलताई चिरुताइगल कट्ची (वीसीके) में

गए और अंत में विजय के करीबी बन गए।

वह घोर गरीबी में पले-बढ़े, खिलाड़ी बने और वर्तमान में भारतीय बास्केटबॉल महासंघ तथा तमिलनाडु बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं। वह तमिलनाडु ओलिंपिक एसोसिएशन के महासचिव भी हैं। महत्वाकांक्षी युवा मतदाताओं के सामने वह खुद को आदर्श के रूप में पेश करते हैं। उनके समुराल वालों ने उनके इस कदम पर अपनी असहमति सार्वजनिक रूप से व्यक्त की है। लेकिन हो सकता है कि यह भी सोच-समझकर किसी योजना के तहत किया गया हो।

इन सब बातों का क्या मतलब है? वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों में 30 में से 12 सीटों पर हार-जीत का अंतर 2,000 वोटों से भी कम रहा था। अगर नई पार्टियां चार-पांच प्रतिशत वोट भी हासिल कर लेती हैं, तो पुदुच्चेरी में नतीजे अप्रत्याशित हो सकते हैं। छोटी पार्टियां दोनों तरफ से फायदा उठाने की क्षमता रखती हैं। पुदुच्चेरी भी इसी राह पर आगे बढ़ सकता है। ऐसा हुआ तो तमिलनाडु की राजनीति से उसका नाता पूरी तरह टूट जाएगा।

नेपाल और भारत : परस्पर संबंधों की नई इबारत लिखने का वक्त

पवन

ऐसे समय में, जब दक्षिण एशिया राजनीतिक अस्थिरताओं, आर्थिक चुनौतियों और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धाओं से जूझ रही है, तब बालेंद्र शाह का देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेना नेपाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ और पड़ोसी मुल्क की बदलती राजनीतिक चेतना का प्रतीक तो है ही, यह भारत के लिए भी विशेष महत्व रखता है।

गौरतलब है कि नेपाल के मतदाताओं ने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) को भारी बहुमत देकर बालेंद्र शाह और उनकी सरकार को नेपाल के पूर्ण परिवर्तन के लिए सशक्त जनादेश दिया है। युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार, दूसरे देशों में काम की तलाश में भटक रहे लोगों के पलायन को रोकना, तीव्र समावेशी आर्थिक विकास को प्रोत्साहन, भाई-भतीजावाद व भ्रष्टाचार का अंत और सुशासन की स्थापना ही वे चुनौतियां हैं, जिनका सामना नई सरकार को करना होगा।

कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने चुनाव से पहले कहा था कि नेपाल के युवा हताशा में सड़कों पर उतरे थे और अगर फिर वही स्थितियां पैदा होती हैं, तो इससे निराशाजनक कुछ नहीं होगा। जहां तक भारत के साथ संबंधों का बात है, तो 1950 की शांति व मैत्री संधि नेपाल व भारत के बीच द्विपक्षीय संबंधों की नींव बनी हुई है, फिर भी दोनों देशों के बीच सहयोग का दायरा औपचारिक राजनयिक ढांचों से कहीं अधिक व्यापक है। हाल के वर्षों में भी नेपाल के साथ भारत के संबंध विकास, बुनियादी संरचना, डिजिटल कनेक्टिविटी और ऊर्जा



पर केंद्रित रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि नेपाल के चुनाव में भारत कोई मुद्दा नहीं रहा और भारत ने भी बगैर किसी शोर-शराबे के हमेशा अपने इस पड़ोसी का समर्थन ही किया है। ऐसे में, उम्मीद की जानी चाहिए कि नेपाल के नए निजाम दोनों देशों के बीच की मौजूदा सद्भावना का फायदा उठाते रहना चाहेंगे। चीन की दशकों पुरानी कम्युनिस्ट पार्टियों को एकजुट करने की रणनीति हालिया चुनाव में हार के बाद कमजोर पड़ती दिख रही है, इसके बावजूद नेपाल की नई सरकार भारत से अच्छे रिस्ते बनाए रखते हुए चीन के साथ आर्थिक संबंध स्थापित करना चाहेगी।

दूसरी ओर, ट्रंप द्वारा सहायता कार्यक्रमों पर अंकुश लगाने व पश्चिम एशियाई संकट से नेपाल की आर्थिक मुश्किलतात बढ़ सकती हैं। इन परिस्थितियों में बालेंद्र शाह का उदय एक पीढ़ीगत बदलाव का संकेत है और अगर यह बदलाव सही दिशा में आगे बढ़ता है, तो न केवल नेपाल के भविष्य को नई दिशा देगा, बल्कि भारत व नेपाल के संबंधों में भी नई इबारत लिखेगा।

अहंकार की आग में झुलसती दुनिया

कतिलाल मांडेठ

पश्चिम एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ा है, जहां हर अगला कदम केवल तनाव को और गहरा करने वाला साबित हो सकता है। हाल के घटनाक्रमों में डोनाल्ड ट्रम्प की चेतावनियों, ईरान की आक्रामक प्रतिक्रिया और इजरायल पर हुए हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह संघर्ष अब केवल सीमित क्षेत्रीय टकराव नहीं रह गया, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर पैदा हुआ विवाद इस संकट का केंद्र बन चुका है। यह मार्ग दुनिया के ऊर्जा आपूर्ति तंत्र की धुरी माना जाता है। यहां किसी भी प्रकार की रुकावट न केवल तेल बाजार को झकझोरती है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी संकट में डाल देती है। जब अमेरिका ने 48 घंटे का अल्टीमेटम देकर इस मार्ग को खोलने की मांग की, तो यह केवल एक कूटनीतिक बयान नहीं था, बल्कि शक्ति प्रदर्शन का संकेत भी था।

दूसरी ओर, ईरान ने जिस तरह से जवाबी हमलों की चेतावनी दी और यह स्पष्ट किया कि उसके ऊर्जा ठिकानों पर हमला हुआ तो वह पूरे क्षेत्र के महत्वपूर्ण ढांचे को निशाना बनाएगा, उसने इस संघर्ष को और अधिक खतरनाक बना दिया है। विशेष रूप से डीसैलनेशन प्लांट्स और फ्यूल डिपो जैसे लक्ष्यों की बात करना इस ओर इशारा करता है कि आने वाले समय में यह संघर्ष आम नागरिकों के जीवन पर सीधा प्रभाव डाल सकता है। पानी जैसी बुनियादी जरूरत पर संकट उत्पन्न होना किसी भी क्षेत्र को मानवीय आपदा की ओर धकेल सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चिंताजनक बात यह है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर अडिग नजर आते हैं। अमेरिका अपनी वैश्विक शक्ति के भरोसे दबाव बनाने की नीति अपनाता रहा है, जबकि ईरान ने यह दिखाने की कोशिश की है कि वह किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं है। यह टकराव केवल सैन्य ताकत का नहीं, बल्कि राजनीतिक अहंकार का भी प्रतीक बन चुका है।

इतिहास गवाह है कि जब भी महाशक्तियों ने अपने अहंकार के कारण निरूपण लिए हैं, उसका परिणाम व्यापक विनाश के रूप में सामने आया है। चाहे वह शीत युद्ध का दौर रहा हो या मध्य पूर्व के पिछले संघर्ष, हर बार आम जनता को इसकी सससे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। आज भी वही स्थिति दोहराई जाती नजर आ रही है।



ईरान द्वारा इजरायल के शहरों पर किए गए मिसाइल हमलों और उसके बाद हुए नुकसान ने यह साबित कर दिया है कि युद्ध में कोई भी पक्ष पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह सकता। आधुनिक तकनीक और उन्नत हथियारों के बावजूद, हमलों का प्रभाव सीधे नागरिक क्षेत्रों तक पहुंचता है। अस्पताल, जल संयंत्र, बिजली व्यवस्था और संचार तंत्र—सब कुछ इस आग की चपेट में आ जाता है।

इस संघर्ष में एक और महत्वपूर्ण पहलू वैश्विक प्रतिक्रिया का है। जी-7 देशों द्वारा ईरान के हमलों की निंदा और सऊदी अरब द्वारा ईरानी अधिकारियों को निष्कासित करना यह दर्शाता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्ववीकरण तेज हो रहा है। ऐसे में किसी भी छोटी घटना का बड़े युद्ध में बदलना अब पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है।

अमेरिका का रुख केवल ईरान तक सीमित नहीं दिखता। क्यूबा और वेनेजुएला जैसे देशों के प्रति उसकी नीति यह संकेत देती है कि वह वैश्विक स्तर पर अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए आक्रामक रणनीति अपनाने को तैयार है। क्यूबा के साथ दशकों पुरानी दुश्मनी और उस पर लगाए गए प्रतिबंध इस बात का उदाहरण हैं कि कैसे राजनीतिक मतभेद आम जनता के जीवन को कठिन बना देते हैं।

यहां सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या शक्ति प्रदर्शन वास्तव में समाधान है? क्या सैन्य कार्रवाई से स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है? इतिहास का उत्तर स्पष्ट है—नहीं। युद्ध कभी समाधान नहीं रहा, बल्कि समस्याओं को और जटिल बनाने का माध्यम बना है।

भारत जैसे देशों का दृष्टिकोण इस संदर्भ में

महत्वपूर्ण हो जाता है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने तटस्थ और संतुलित विदेश नीति अपनाने की कोशिश की है। यह नीति न केवल रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह वैश्विक शांति के लिए एक सकारात्मक संदेश भी देती है। भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है, जो आज के समय में सबसे आवश्यक है।

जब दुनिया के बड़े देश शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, तब भारत का यह दृष्टिकोण एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत करता है। यह मार्ग बताता है कि संवाद, सहयोग और आपसी सम्मान के आधार पर ही अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत किया जा सकता है।

युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह केवल सैनिकों तक सीमित नहीं रहता। इसके प्रभाव समाज के हर वर्ग पर पड़ते हैं। बच्चों की शिक्षा बाधित होती है, स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा जाती हैं और आर्थिक गतिविधियां ठप हो जाती हैं। इसके अलावा, युद्ध के बाद पुनर्निर्माण की प्रक्रिया वर्षों तक चलती है, जिसमें अपार संसाधनों की आवश्यकता होती है।

आज के समय में जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानता और महामारी जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, ऐसे में युद्ध जैसे संघर्ष इन समस्याओं को और गंभीर बना देते हैं। संसाधनों का उपयोग जहां विकास और कल्याण के लिए होना चाहिए, वहीं वे विनाश के उपकरणों में बदल जाते हैं।

अहंकार और शक्ति की राजनीति का यह खेल अंततः मानवता को ही नुकसान पहुंचाता है। जो देश युद्ध शुरू करता है, उसे भी इसकी कीमत चुकानी पड़ती है और जिस पर हमला होता है, उसकी स्थिति तो और भी दयनीय हो जाती है। यही कारण है कि कहा जाता है—युद्ध में कोई विजेता नहीं होता, केवल हारने वाले होते हैं। इसलिए आज जरूरत है कि विश्व के सभी देश अपने मतभेदों को संवाद के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करें। कूटनीति और सहयोग ही वह रास्ता है जो स्थायी शांति की ओर ले जा सकता है।

यदि समय रहते यह समझ नहीं आई, तो आने वाला भविष्य और भी भयावह हो सकता है। एक ऐसा भविष्य, जहां विकास के स्थान पर विनाश की कहानियां लिखी जाएंगी और जहां मानवता केवल संघर्षों की राख में अपना अस्तित्व तलाशती नजर आएगी।



बढ़ पा रहे हैं और नाही पीछे हट पा रहे हैं। पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह स्थिति धोबी का कुत्ता, न घर का न घाट का जैसी होती हुई दिख रही है।

मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष ने सवाल खड़ा कर दिया है। क्या अमेरिका अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए अपनी रणनीति के तहत आगे बढ़ रहा है, या वह इजरायल के हितों के कारण स्वयं और अमेरिका को उलझाता जा रहा है। ईरान की ओर से हाल ही में मुस्लिम देशों को दिया गया संदेश इस पूरे परिदृश्य में अमेरिका की स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है। अरब देशों के साथ अमेरिका का कई दशकों से सुरक्षा संबंधी समझौता था। खाड़ी के अधिकांश देशों में अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बनाए हुए थे। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का पूरा कारोबार डॉलर मुद्रा में होता था, जिसके कारण अमेरिका का एकाधिकार था। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को तबाह किया है, उसने असलियत सामने ला दी है। खाड़ी देशों को ईरान ने चेतावनी दी है वे अमेरिका की मदद नहीं करें। ईरान ने इस्लामी ब्रदरहुड की भावना को जागृत करते हुए कहा है जो देश अपनी जमीन को ईरान के ऊपर हमला करने के लिए उपलब्ध नहीं कराएंगे उनसे ईरान की कोई दुश्मनी नहीं है। हम सब मिलकर काम करेंगे। अमेरिका की दादागिरी नहीं सहेंगे। अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं या

आक्रामक बयानों से नहीं चलती है। इसमें संतुलन, कूटनीति और दीर्घकालिक सोच और लाभ-हानि की आवश्यकता से जुड़ी होती है। ट्रंप की नीतियाँ, उनके तरह-तरह के बयान, धमकी तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए जो दादागिरी और अहंकार कर रहे थे, ईरान ने अब उस पर तगड़ा वार किया है। अमेरिका ने जिन देशों को सुरक्षा देने का वचन दिया था वह सुरक्षा तो अमेरिका कर नहीं पाया। इस स्थिति में उठ रहे सवाल इसी बात की ओर इशारा करते हैं। केवल शक्ति प्रदर्शन से ना तो किसी देश पर कब्जा किया जा सकता है, नाही किसी समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है।

अमेरिका और इजरायल ने क्या सोचकर ईरान के ऊपर हमला किया था यह तो अमेरिका और इजराइल ही जानते हैं लेकिन अब जिस तरीके की स्थिति बन गई है, उसमें ट्रंप ना तो वहां से निकल पा रहे हैं और आगे बढ़ने के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। वर्तमान स्थिति का घटनाक्रम अहंकारी राजनेताओं को महत्वपूर्ण सीख देता है। राजनीति और सत्ता के वैश्विक मंच पर हर कदम को सोच-समझकर उठाना जरूरी होता है। बड़बोलेपन और अहंकार की राजनीति लंबे समय तक टिक नहीं पाती है। जब हकीकत सामने आती है, तो सबसे ताकतवर अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भी असहज स्थिति में फंसते हैं। इस युद्ध के कारण जिस तरह से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है, अमेरिका में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। अमेरिका का आर्थिक संकट बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में अब उन्हें अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। उनके लिए एक राष्ट्रपति पद पर बने रहने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। युद्ध के लिए अश्वत्थ को मजबूत करने के लिए प्रयास करना पड़ रहा है। ईरान जैसे छोटे से देश से उन्हें इस तरह की चुनौती मिलेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो यह दोनों कहावतें सत्य होती प्रतीत हो रही हैं।

नायब सिंह सैनी की पंजाब में बढ़ती स्वीकार्यता

हरपाल सिंह चीका

नायब सिंह सैनी को दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री का पद संभाले लगभग 15 महीने हो गए हैं। वित्त विभाग उनके पास होने के कारण, उन्होंने अपना दूसरा बजट सिखी की पहचान ‘केसरी दस्तार’ (पगड़ी) सजाकर पेश किया।सैनी साहब को किसी भी पद पर सेवा मिली हो या जितने भी समय काम करने का अवसर मिला, उन्होंने अपने नर्म स्वभाव और धैर्य से बड़ी से बड़ी समस्या की सहाय की कभी आपा नहीं खोया और उसका सर्वमाय्य हल निकाला। शांत चित्त और चेहरे पर निखरती मुस्कुराहट भी उन्हें कुदरत द्वारा बख्शा गया एक आशीर्वाद रूपी गुण है, जिससे वे अपने घोर विरोधियों को भी कायल कर लेते हैं। पार्टी ने उन्हें पंजाब, राजस्थान, बिहार, दिल्ली और हिमाचल में जिम्मेदारियां सौंपीं। वे जहां भी गए, पार्टी को अपार सफलता मिली और जनता के बीच उनका कद और भी ऊंचा हो गया। आज देश के प्रांतीय नेता अक्सर किसी खास समाज या क्षेत्र के होने के कारण ही जाने जाते हैं, जिससे उनका स्वीकार्यता अपने क्षेत्र तक सीमित रहती है। उदाहरण के तौर पर, जिस तरह दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. साहिब सिंह वर्मा, पंजाब के मुख्यमंत्री स्व. प्रकाश सिंह बादल, हरियाणा के मुख्यमंत्री स्व. चौधरी देवीलाल आदि अपनी सादगी भरी जीवनशैली से लोगों में घुल-मिल जाते थे और रोजाना 3 से 4 सी फरियादियों की मुश्किलें हल करते थे। यह आम कहा जाता था कि बतौर मुख्यमंत्री, इन नेताओं की सारी शकान लोगों से मिलने पर ही दूर हो जाती थी। इन नेताओं का एक सांझा गुण यह भी था कि सत्ता में होते तो सरकार के मुखिया के तौर पर लोगों से वास्ता रखते और यदि सत्ता में न होते तब भी उसी मिठास और अपनेपन से लोगों के दिलों पर राज करना उनके हिस्से आया। अब वर्तमान समय में ऐसे ही एक कामयाब मुख्यमंत्री के रूप में नायब ड़क्षेसह सर्व-समाज में और उत्तर भारत के लोगों के साथ अपनी कड़ी बना रहे हैं। जिस दिन भी वह अपने निवास ‘कबीर सांझर’ चंडीगढ़ में होते हैं, सुबह 8.30 से रात 2.00 बजे तक खिले हुए माथे लोगों से मिलते हैं। संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के लिए दिशा-निर्देश देकर अपनी थकान दूर करते हैं और फिर अगले दिन की व्यस्तता के लिए रोज़ताजा होकर जुट जाते हैं। इन सब का असर यह है कि हरियाणा सहित पंजाब की जनता में उनकी लोकप्रियता का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है। पंजाब के मझेल, मलर्वा, दोआबिए और पुआधी जितने अपनेपन के साथ उन्हें मिलने आते हैं, उतनी ही खुशी के साथ लौटते हैं और उनके चेहरे की प्रसन्नता भी देखने लायक होती है।



इस पूरे घटनाक्रम का असर पंजाब विधानसभा के 2027 के चुनाव में देखने को मिलेगा क्योंकि पंजाबी इस समय ‘एक मौका दो’ और ‘बदलाव’ के नारों से तंग आ चुके हैं, अब वे फिर एक और बदलाव के मुद्द में हैं। पंजाबी जनता पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों के नेताओं के भाषणों से ऊब कर नायब सिंह के विकास संबंधी तर्कों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रही है। पंजाब के लोग अब सोच रहे हैं कि क्यों न नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के आधार पर पंजाब में भी प्रयोग कर लिया जाए। केंद्र और राज्य की सरकार मिलकर युवाओं की बेरोजगारी, नशे का छटा दरिया, किसानों का कर्ज, इंडस्ट्री का पलायन, जैसे लुंधियाना का होजरी और साईकिल उद्योग, जालंधर के स्पोर्ट्स सामान के कारखाने, बटाला की कच्चे लोहे की भट्टियां, अमृतसर का सूती व ऊनी कपड़ा उद्योग और सूखे मेवों के व्यापारिक संस्थान, जो पंजाब से बाहर दूसरे राज्यों में स्थापित हो रहे हैं, उन्हें पंजाब में वापस लाने के लिए उनका भरोसा बहाल करना बेहद जरूरी है। नायब सिंह द्वारा पुआधी बोली में साधारण शब्दों और शुद्ध ग्रामीण भाषा में दिए गए भाषण, जिनमें महिलाओं और बुजुर्गों के लिए पेंशन, जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता, हर परिवार के लिए छत, खिलाडि़यों को योग्यता अनुसार सरकारी नौकरियां और सभी फसलों पर एम.एस.पी. जैसी हरियाणा मॉडल के अनुसार मिलने वाली सुविधाओं को पंजाब में भाजपा सरकार आने पर लागू करने का भरोसा दिया गया है। ये घोषणाएं लोगों को तसल्ली दे रही हैं और उनके दिलों को छू रही हैं। उम्मीद की जाती है कि पंजाब अपना 50 साल पुराना ‘नंबर वन’ का रुतबा फिर से हासिल कर लेगा। पंजाब इस समय लाखों करोड़ के कर्ज और कानून-व्यवस्था की भयानक स्थिति से गुजर रहा है। जिस तरह नकली पुलिस मुठभेड़, गैंगस्टर कल्चर, विदेशों में गए युवाओं की वापसी और उनके पुनर्वास जैसी समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं, ये अति संवेदनशील मुद्दे हैं। पंजाब सीमावर्ती राज्य होने के कारण सीमा पार से आए दिन नई घटनाएं होती रहती हैं और साथ ही उनके समर्थकों द्वारा भी गतिविधियां की जा रही हैं। उपरोक्त विषयों से परेशान सर्व-समाज के लोगों ने अपने दिलों में अमोरी-गरीबी, भाषा और क्षेत्रवाद की सोच से ऊपर उठकर नायब सिंह सैनी के प्रति प्यार दिखाते हुए, उन्हें इस क्षेत्र के जुझारू युवाओं और बुद्धिजीवी लोगों के सर्व-सांझा नेता के रूप में स्वीकार्यता की मुहर लगाने का काम शुरू कर दिया है।

02 अप्रैल को मंगल का मीन राशि में गोचर

मंगल करेंगे मीन राशि में गोचर और बनेगी शनि-मंगल की युतिमंगल करेंगे मीन राशि में गोचर और बनेगी शनि-मंगल की युति

02 अप्रैल को मंगल मीन राशि में गोचर करने वाले हैं, जहां पर पहले से शनिदेव विराजमान हैं जिसके कारण मीन राशि में शनि-मंगल की युति बनेगी। मीन राशि पर देवगुरु बृहस्पति का स्वामित्व होता है। वहीं ज्योतिष में शनिदेव को कर्मफलदाता और मंगल को युद्ध, साहस, पराक्रम और भूमि आदि का कारक ग्रह माना जाता है। शनि और मंगल दोनों की ही गिनती पाप ग्रहों में होती है और दोनों का एक ही राशि में आने से प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिलेगा। हालांकि कुंडली में ग्रहों की स्थिति से कुछ राशि वालों के लिए बहुत ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जिससे कुछ राशि वालों पर सकारात्मक प्रभाव देखने को भी मिल सकता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मंगल गोचर मीन राशि में 2 अप्रैल को होने जा रहा है। ज्योतिष गणना के अनुसार 18 महीने बाद गुरु की राशि मीन में मंगल प्रवेश करेंगे। जहां सूर्य, शनि और शुक्र पहले से ही विराजमान हैं। ऐसे में मंगल के गोचर से शनि मंगल योग भी बनेगा। मंगल और शनि दोनों को पाप ग्रह माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में दोनों क्रूर ग्रहों की युति को प्रतिकूल प्रभाव देना वाला माना जाता है। इन दोनों ग्रहों की युति से देश दुनिया में अग्रिय घटनाएं घटने की संभावना है। वर्तमान समय में कई देशों में चल रही युद्ध की स्थिति और तेज हो सकती है। ऐसे में मीन राशि में मंगल का गोचर कन्या और मीन समेत कई राशियों के जीवन में उतार चढ़ाव लेकर आने वाला साबित होगा।

मंगल ग्रह को मेष और वृश्चिक राशि का स्वामित्व प्राप्त है। यह मकर राशि में उच्च होता है, जबकि कर्क इसकी नीच राशि है। मंगल के शुभ होने पर व्यक्ति को जीवन में सभी तरह के सुखों की प्राप्ति होती है। मंगल को ज्योतिष शास्त्र में सेनापति माना गया है। मंगल समस्त साहसिक कार्य जैसे सेना, अग्निशमन सेवाएं, पुलिस आदि के साथ-साथ प्रशासनिक दक्षता

का भी प्रतिनिधित्व करता है। मंगल अग्नि तत्व ग्रह होने के साथ-साथ एक उत्तेजनात्मक ग्रह भी है। मंगल का प्रभाव युद्ध, भूमि, साहस, पराक्रम और बिजनेस पर भी होता है

शनि और मंगल की युति

जब भी शनि का मंगल से संयोग होता है तो देश और दुनिया में जनविद्रोह, आंदोलन और युद्ध जैसे हालात बन जाते हैं। शनि और मंगल की इस युति को 'द्वंद्व योग' कहा जाता है। शनि अनुशासन और न्याय के देवता हैं, जबकि मंगल अग्नि और साहस के। मीन राशि (जल तत्व) में इनका मिलन मानसिक अशांति और वैचारिक मतभेद पैदा कर सकता है। मीन राशि समुद्र और जल का प्रतिनिधित्व करती है, इसलिए इस समय के दौरान समुद्री तूफान या जल से संबंधित प्राकृतिक आपदाओं की संभावना बढ़ जाती है।

मंगल का शुभ-अशुभ प्रभाव

मंगल की वजह से हवाई या पानी से जुड़ी दुर्घटना होने की आशंका है। देश के कुछ हिस्सों में हवा के साथ बारिश रहेगी। भूकंप या अन्य तरह से प्राकृतिक आपदा आने की भी आशंका है। प्रशासनिक फेरबदल हो सकता है। सोने-चांदी की कीमतें बढ़ सकती हैं। रेशमी कपड़े, प्लास्टिक और रसायनिक चीजों की कीमतें भी बढ़ने के योग बन रहे हैं। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बाद तेजी आएगी। मशीनरी भी महंगी हो सकती है। इनके अलावा खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आने की संभावना है। दलहन और तिलहन भी सस्ता होगा। इसके साथ ही प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री के लिए सामान्य समय रहेगा। सेना और पुलिस विभाग से जुड़े बड़े मामले सामने आ सकते हैं। जल सेना की ताकत बढ़ेगी। देश की कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी।

करें पूजा-पाठ और दान

मंगल के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी



की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। तांबे के बर्तन में गेहूं रखकर दान करने चाहिए। लाल कपड़ों का दान करें। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हं हनुमते नमः, ऊं नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं।

मंगल का मीन राशि में गोचर का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

मे़ष राशि – मेष राशि के लोगों की रुचि धार्मिक कार्यों में बढ़ेगी, वहीं तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। अनावश्यक खर्चें बढेंगे। कार्यक्षेत्र में भी चुनौतियां आ सकती हैं, पैसों का लेन-देन न करें।

वृषभ राशि –वृषभ राशि के लोगों को अचानक धन लाभ हो सकता है। नौकरी मिलने की भी संभावना हैं। व्यापार करने वालों को भी लाभ हो सकता है। स्वस्थ रहो। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

मिथुन राशि – मंगल के गोचर से कार्यक्षेत्र में

तुला राशि–स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। भाग्य आपका साथ देगा, धन लाभ होगा। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को लाभ होगा। गलत काम न करें वरना आपको कोर्ट जाना पड़ सकता है। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें वरना दुर्घटना हो सकती है।

वृश्चिक राशि– कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, लाभ होगा। खर्चें बढेंगे, बचत करना सीखना बेहतर है। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी, प्रेम संबंधों में तनाव रहेगा, संयम से बात करके गलतफहमियों को सुलझाना बेहतर होगा।

धनु राशि –भूमि लाभ के योग हैं। प्रमोशन हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें, धन लाभ होगा। मकान खरीदने के योग हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बहस करने से बचें।

मकर राशि –मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, भाई-बहन का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में प्रमोशन हो सकता है। व्यापार करते हैं, तो यह फलता-फूलता रहेगा। सरकारी नौकरी से जुड़े होने पर लाभ होगा। कर्ज से मुक्ति मिलेगी। जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

कुंभ राशि –आपके जीवन में चुनौतियां बनी रहेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा और लाभ होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। यदि आपने शेयर बाजार में पैसा लगाया है तो अचानक धन लाभ होने की संभावना है।

मीन राशि –धार्मिक स्थलों पर जाने के योग बन रहे हैं। मंगल आपकी राशि में गोचर कर रहा है और यह गोचर आपके लिए भाग्यशाली साबित होगा। आपकी पराक्रम में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आय के स्रोत होंगे, धन लाभ होगा।



डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शुभ अवसर पर करें वास्तु देवता का पूजन सुख-शांति और समृद्धि का मिलेगा आशीर्वाद



भगवान शिव शंकर ने अंधकासुर नामक दैत्य को युद्ध में मार डाला, उस श्रम से भगवान के ललाट से पृथ्वी पर पसीना गिरा। इससे एक भीषण और विकराल मुख वाला जीव उत्पन्न हुआ, वही 'वास्तु पुरुष' कहलाया। शुभ अवसरों पर वास्तु पूजन करना अनिवार्य है, सुख समृद्धि हेतु वास्तु देव का पूजन इन अवसरों पर भी करना चाहिए।

टूटे-फूटे मकान के जीर्णोद्धार के समय तथा द्वार बनाते समय।

अग्नि और बिजली से जले हुए भवन में दोबारा प्रवेश के समय। खाली पड़े मकान (जिसमें सर्प या उल्लू रहते हो) में पुनः प्रवेश करते समय। रात्रि के समय, जिस घर में जंगली जानवर, बिल्लियां तेज गर्जना के साथ लड़ती हों। दस दिनों तक जिस घर में कौवों का एकछत्र राज अर्थात वास रहा हो, उस मकान में दोबारा प्रवेश करते समय। दहलीज पूजन के समय, मकान पूर्ण होने पर, ग्रह प्रवेश के समय तथा निर्माण से पूर्व भी वास्तु देवता का पूजन अत्यन्त आवश्यक है। जिस घर में जंगली कबूतरों का वास

हो तथा जहां घर की लोग आपस में लड़ते-झगड़ते या रोते रहते हों, ऐसे अनेक प्रकार के दुष्प्रभवन में सुख, शांति, ऐश्वर्य की प्राप्ति तथा धन-अभाव और कष्टों को दूर कर कल्याण हेतु वास्तु देवता का पूजन अत्यन्त आवश्यक है। प्रतिवर्ष यज्ञ में एवं संतान के जन्म, विवाह या फिर किसी भी बड़े उत्सव में, तीर्थ आदि से लौटकर वास्तु का पूजन अवश्य करना चाहिए।

ब्रह्मा जी द्वारा दिया गया वरदान

ब्रह्मा जी ने वास्तु पुरुष को वरदान दिया कि जो कोई भी पृथ्वी पर भवन आदि बनायेगा वह उस समय वास्तु पुरुष की पूजा कर उसे प्रसन्न करेगा। ऐसा न करने वाला मनुष्य नाना प्रकार की कठिनाइयों का सामना करेगा। भवन निर्माण करने वाला व्यक्ति जो कुछ भी पूजा-पाठ, शांति के लिए यज्ञ आदि करेगा वह वास्तु पुरुष को आहार के रूप में प्राप्त होगा तथा वास्तु पूजा न करने वाले वास्तु पुरुष के आशीर्वाद से वंचित रह जाएगा। भवन में सुख शांति के लिए वास्तु पुरुष का आशीर्वाद प्राप्त करना अनिवार्य रहेगा।

क्या फल देती है हाथ की छठी उंगली सामुद्रिक शास्त्र से जानें व्यक्ति का स्वभाव

भविष्य बताने की अनेक विधियां हैं, सिद्ध पुरुष व्यक्ति के चेहरे को देखकर, उसके हाव-भाव, चाल-चलन आदि गतिविधियों के बारे में सटीक आकलन कर देते हैं। शारीरिक लक्षणों के बारे में सामुद्रिक शास्त्र में व्यक्ति के व्यक्तित्व से जुड़े अनेक रहस्यों से पर्दा उठाया गया है। सामान्य तौर पर प्रत्येक मनुष्य के हाथ में पांच उंगलियां, अंगूठा, तर्जनी, मध्यमा, अनामिका एवं कनिष्ठिका ही होती है, लेकिन कुछ व्यक्तियों के हाथ में प्राकृतिक रूप से छठी अतिरिक्त उंगली भी देखी जाती है। वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं के अनुसार प्रत्येक एक लाख व्यक्तियों में से लगभग पचास व्यक्ति ऐसे पैदा होते हैं जिनके या तो हाथ में या फिर पैर में अतिरिक्त उंगली होती है। प्राचीन मतानुसार हाथ में अतिरिक्त छठी उंगली व्यक्ति के सौभाग्य का सूचक मानी जाती है परन्तु आधुनिक हस्तरेखा शास्त्री छठी उंगली के धारक को जादू-टोना, वशीकरण, विद्वेषण, मोहन, मारण, शांतिकर्म, स्तंभन घटकर्म, इन्द्रजाल, तंत्र-मंत्र जैसी अन्य तांत्रिक एवं मायावी विद्याओं में पारंगत होने का संकेत देते हैं। हाथ में अतिरिक्त छठी उंगली की स्थिति दो प्रकार से हो सकती है। एक कनिष्ठिका उंगली के बगल में, दूसरी अंगुष्ठ के जुड़वा के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती है।



छठी उंगली कनिष्ठिका की सहोदर होने पर व्यक्ति को दूसरों से ज्यादा अनुभवी, चालाक एवं कूटनीतिज्ञ बनाती है। ऐसा व्यक्ति जीवन में एक लक्ष्य बनाकर नहीं चल पाता, वह समय-समय पर अपने विचार एवं निर्णय बदलता रहता है। ऐसे में उसका अन्दरूनी व्यवहार एवं स्वभाव सृष्टिकर्ता ब्रह्मा जी के सिवा कोई नहीं जान सकता।

हाथ की छठी उंगली यदि अंगुष्ठ के सहोदर अंगुष्ठ के रूप में हो तो व्यक्ति में विवेक की मात्रा सामान्य से कहीं अधिक होती है लेकिन विवेक का दुरुपयोग भी इस छठे अंगुष्ठ रूपी उंगली की विशेषता है। हाथ में छठी उंगली के रूप में अंगुष्ठ को लिए अपनी पहली फिल्म से रातों-रात प्रसिद्ध हुए फिल्म अभिनेता ऋतिक रोशन इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। सामुद्रिक शास्त्र में मनुष्य के इन्हीं सब लक्षणों की विस्तृत चर्चा की गई है।

सीढ़ियों के नीचे क्या रखना चाहिए? इन वास्तु टिप्स का रखेंगे ख्याल तो घर की एनर्जी रहेगी पॉजिटिव

अगर घर वास्तु अनुसार हो तो वहां वास्तु दोष नहीं लगता है और परिवार के भाग्य में भी वृद्धि हो सकती है। वास्तुशास्त्र में सीढ़ियों का खास महत्व बताया गया है। अगर सीढ़ियां वास्तु अनुकूल न हो तो इससे वास्तु दोष लग सकता है। ऐसे में परिवार को घर से जुड़ी समस्याओं, धन की हानि, बाधाओं आदि परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यही कारण है की सीढ़ियों का सही दिशा में होना आवश्यक होता है। लेकिन अगर सीढ़ियां गलत दिशा में बन गई हों या आप इसके नीचे के स्थान को प्रयोग में लाना चाहते हैं तो उसके लिए कुछ वास्तु टिप्स को आजमा सकते हैं। जिस दिशा में सीढ़ी बनी हो उसी के अनुसार उसके नीचे कुछ चीजें रखना शुभ माना जाता है और इससे वास्तु दोष कम हो सकता है। आइए विस्तार से जानें की सीढ़ियों के नीचे क्या-क्या रख सकते हैं।

सीढ़ियां ईशान कोण में हो तो नीचे रखें ये चीजें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में ईशान कोण यानी

उत्तर-पूर्व दिशा में सीढ़ियों का होना शुभ नहीं माना जाता है। यह दिशा जल तत्व से संबंधित होती है। ऐसे में इस स्थान का वास्तु दोष कम करने के लिए आप जल से संबंधित चीजें सीढ़ियों के नीचे रख सकते हैं। इसके लिए बॉटर फाउंटेन और पौधे भी रख सकते हैं। लेकिन इसके लिए चीनी मिट्टी के गमलों का ही प्रयोग करें। मिट्टी के गमले भारी होते हैं और उसकी मिट्टी झड़ती रहती है। वास्तु के अनुसार, ईशान कोण हमेशा हल्का और साफ सुथरा होना चाहिए। ऐसे में इस स्थान पर छोटे चीनी मिट्टी के गमले में पौधे लगाकर रखें। इसके अलावा, कांच की बोतल में पानी भरकर भी आप पौधे लगा सकते हैं।

दक्षिण-पूर्व और दक्षिण दिशा में सीढ़ियां हो तो नीचे रखें ये चीजें

आग्नेय कोण में सीढ़ियां होना वास्तु के अनुसार सही माना जाता है। दक्षिण-पूर्व दिशा को अग्नि से संबंधित माना गया है ऐसे में इस दिशा में मौजूद



सीढ़ियों के नीचे आप अग्नि तत्व से जुड़ी चीजें रख सकते हैं। यहां इवेंटर, वस्त्र प्रेस करने का स्थान, गैस सिलेंडर आदि रख सकते हैं। इसके अलावा, वास्तु अनुसार आग्नेय कोण में सीढ़ियों के नीचे बड़े गमले में बड़े पौधे लगाकर रख सकते हैं। इससे आसपास की एनर्जी संतुलित बनी रहती है। वहीं, वास्तु अनुसार दक्षिण दिशा में भारी वस्तुएं रखनी चाहिए। ऐसे में आप यहां भी बड़े गमले, मीटर रूम या इनवर्टर रख सकते हैं।

उत्तर और पूर्व दिशा में सीढ़ियां हो तो ये चीजें करें प्रयोग

अगर घर में सीढ़ियां उत्तर दिशा में बनी हों तो इसे वास्तु के अनुसार अच्छा नहीं माना जाता है इससे वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है। यह दिशा भी जल तत्व से संबंधित होती है। उत्तर दिशा में हल्की चीजें रखनी चाहिए। ऐसे में आप सीढ़ियों के नीचे के स्थान को खाली छोड़ सकते हैं। लेकिन अगर वहां कुछ रखना चाहते हैं तो छोटा फिश एक्वेरियम, चीनी मिट्टी के छोटे गमलों में पौधे आदि रख सकते हैं। इससे ऊर्जा का संतुलन बना रहता है और वास्तु दोष कम होता है। पूर्व दिशा में भी सीढ़ियों का होना वास्तु दोष माना गया है। वास्तु के अनुसार पूर्व दिशा वायु तत्व से संबंधित होती है। ऐसे में इस स्थान को हमेशा हल्का रखना चाहिए। ऐसे में सीढ़ियों के नीचे के स्थान को खाली रखना सबसे उत्तम माना गया है। इस स्थान का प्रयोग करने के लिए यहां भी आप छोटे इंडोर प्लांट्स लगा सकते हैं।

दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम व उत्तर-पश्चिम दिशा में सीढ़ियां हो तो रखें ये चीजें

वास्तु के अनुसार, नैऋत्य कोण यानी दक्षिण पश्चिम दिशा में सीढ़ियों का होना शुभ माना जाता है। इस स्थान पर भारी सामान रखना सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में यहां सीढ़ियों के नीचे बड़े गमले वाले बड़े इंडोर प्लांट्स लगा सकते हैं। इससे घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है। इसके अलावा, अगर पश्चिम दिशा में सीढ़ियां हो तो इसके नीचे आप बैबू प्लांट, बड़ा फिश एक्वेरियम आदि रख सकते हैं। इस दिशा के स्वामी वरुण देव हैं। ऐसे में इस स्थान को वास्तु अनुकूल रखने से घर में समृद्धि, खुशहाली और शांति बनी रहती है। अगर सीढ़ियां उत्तर-पश्चिम यानी वायव्य कोण में हो तो इसके नीचे आप छोटे से मीडियम साइज के गमले रख सकते हैं। इसके अलावा, गैस सिलेंडर, प्रेस के स्थान के लिए भी इस जगह को प्रयोग किया जा सकता है।

सीएम नीतीश कुमार और नितिन नवीन ने दिया इस्तीफा

पटना। बिहार की राजनीति में सोमवार का



दिन काफी अहम साबित हुआ जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने-अपने सदनों से इस्तीफा दे दिया। इस खबर ने सोमवार सुबह से एक नई सियासी पारी की शुरुआत के संकेत दे दिए। दरअसल दोनों नेताओं ने क्रमशः बिहार विधान परिषद और बिहार विधानसभा की सदस्यता छोड़ दी और यह कदम उन्होंने राज्यसभा में चुने जाने के बाद उठाया। दिलचस्प बात यह रही कि दोनों नेताओं ने अपने इस्तीफे खुद जाकर नहीं बल्कि प्रतिनिधियों के जरिए भेजे। जहाँ नीतीश कुमार का इस्तीफा एमएलसी संजय गांधी ने संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी के साथ मिलकर परिषद के सभापति को सौंपा, वहीं नितिन नवीन का पत्र बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने विधानसभा अध्यक्ष तक पहुंचाया। विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने नीतीश कुमार का इस्तीफा स्वीकार करते हुए उनकी जमकर तारीफ की।

मोदी और शाह तय करेंगे कौन बनेगा बिहार का सीएम: प्रशांत



पटना। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार की राजनीति को लेकर बड़ा दावा किया है। भागलपुर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि राज्य में मुख्यमंत्री का चेहरा अंततः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ही तय करेंगे। इस दौरान किशोर ने यह भी आरोप लगाया कि स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धीरे-धीरे साइडलाइन किया जा रहा है। सोमवार को भागलपुर में सरकार पर निशाना साधते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, वह चुनाव से पहले से ही स्वस्थ नहीं हैं, इसलिए उन्हें हटایा जा रहा है। लेकिन बिहार की जनता के साथ विश्वासघात किसने किया? उनकी पार्टी और बीजेपी ने। अब युवाओं को एक करोड़ नौकरियां कौन देगा? उन्होंने आगे कहा, आज मुख्यमंत्री का चेहरा वही होगा, जिसे प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह चाहेंगे। प्रशांत किशोर का यह बयान सीएम नीतीश के विधान परिषद में इस्तीफा देने के समय आया है।

कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा : सीएम योगी



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को खूब पढ़ने और खेलने के लिए प्रेरित करते हुए सोमवार को कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को संबोधित एक पत्र ‘एक्स’ पर साझा करते हुए कहा, “मेरे प्यारे बच्चो, नया शैक्षणिक सत्र आरंभ हो रहा है। आप सभी को स्वर्णिम भविष्य की ढेर सारी शुभकामनाएं।” उन्होंने कहा, “नए सत्र में आप अपनी रुचि के विषय, खेल एवं विद्यालय की गतिविधियों में पूरे मनोयोग से हिस्सा लें तथा अपने सपनों में रंग भरें।” मुख्यमंत्री ने कहा, “सरकार सुनिश्चित कर रही है कि एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। एक अप्रैल 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक ‘स्कूल चलो अभियान’ हमारे इसी संकल्प का प्रतिफल है।” उन्होंने कहा, “विकसित उत्तर प्रदेश का लक्ष्य तभी पूर्ण होगा, जब हर बच्चा पढ़ेगा, हर बच्चा बढ़ेगा।”

भाजपा सांसद के बयान पर भड़के नवीन पटनायक



भुवनेश्वर। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा बीजू पटनायक को लेकर की गई टिप्पणी पर विवाद बढ़ता जा रहा है। अब बीजू पटनायक के बेटे और ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने भाजपा सांसद के बयान पर कड़ी नाराजगी जाहिर की और बयान की कड़ी निंदा की। बीजद प्रमुख नवीन पटनायक ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि शायद टिप्पणी करने वाले सांसद को यह जानकारी नहीं है कि प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने चीन के साथ संघर्ष के दौरान बीजू पटनायक को रणनीति बनाने में मदद के लिए दिल्ली में अपने कार्यालय के पास ही एक दफ्तर दिया था, जबकि वह ओडिशा के मुख्यमंत्री थे। भुवनेश्वर में मीडिया से बात करते हुए नवीन पटनायक ने कहा, बीजू बाबू के बारे में जो अपमानजनक बातें की गईं, उन्हें सुनकर मैं हैरान हूं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें ये पता है कि चीन के साथ लड़ाई के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने बीजू पटनायक को रणनीति बनाने में मदद करने के लिए दिल्ली में अपने कार्यालय के पास ही एक दफ्तर दिया था।

कंगना रनौत का मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला



नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के पुरलिया में एक जनसभा को संबोधित करते हुए टीएमसी प्रमुख और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है और उनकी जान को खतरा है। जब इसे लेकर सोमवार को संसद परिसर में भाजपा सांसद कंगना रनौत से सवाल किया गया तो उन्होंने ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा और बंगाल चुनाव में हुई हिसा की याद दिलाई। कंगना रनौत ने कहा, उनसे किन्हें खतरा है, ये सभी जानते हैं। पिछली बार वहां खून की नदियां बहों थी। पूरे देश ने वहां भाजपा कार्यकर्ताओं की दुर्दशा को देखा। वहां मासूम जनता, मतदाता और सबसे ज्यादा भाजपा कार्यकर्ताओं को खतरा है। पुरलिया की जनसभा में ममता ने पिछले चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि उस वक्त उनके साथ हिंसा हुई थी और उनके पैर में चोट लगी थी, फिर भी उन्होंने स्टीलचेयर पर बैठकर प्रचार किया। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या फिर वैसी ही साजिश रची जा रही है?

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में दिया वैश्विक सर्वेक्षण हवाला?

दुनिया के सभी प्रधानमंत्रियों, राष्ट्रपतियों की लोकप्रियता में मोदी की साख सबसे ऊपर?

नई दिल्ली। विपक्ष पर देश को नीचा दिखाने का प्रयत्न करने का आरोप लगाते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि देश की अर्थव्यवस्था के सभी संकेतक मजबूत स्थिति में हैं और दुनिया के सभी देशों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साख सबसे ऊपर है। सीतारमण ने लोकसभा में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह बात कही। समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्य धर्मेन्द्र यादव ने पूरक प्रश्न पूछते हुए कहा कि केंद्र में राजग सरकार बनने से पहले भाजपा के नेता कहते थे कि डॉलर के मुकाबले रुपये का मूल्य गिरने से प्रधानमंत्री की साख भी गिरती है तो क्या आज जब भारतीय मुद्रा अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले इतने निचले स्तर पर है तो क्या वित्त मंत्री आज भी इस बात पर कायम हैं कि प्रधानमंत्री की साख गिर रही है।

सीतारमण ने जवाब में कहा कि एक हालिया वैश्विक सर्वेक्षण में दुनिया के सभी प्रधानमंत्रियों, राष्ट्रपतियों की लोकप्रियता में भारत के प्रधानमंत्री की साख सबसे ऊपर है। इस पर विपक्षी सदस्यों ने टोकटोकी की। वित्त मंत्री ने कहा, “भारत के प्रधानमंत्री की साख सबसे ऊपर है। इनके लिए यह बात पचा पाना मुश्किल है। इसलिए बार-बार प्रश्नचिह्न उठाया जा रहा है।”

उन्होंने कहा कि राजकोषीय स्थिति, राजकोषीय घाटे के पांच साल के प्रबंधन पर दुनियाभर में हो रही प्रशंसा को देखें तो भारत की अर्थव्यवस्था एकदम मजबूत है। वित्त मंत्री ने कहा कि जब कांग्रेस नीत सरकार के समय अर्थव्यव्था के सभी



आधारभूत तत्व कमजोर थे और देश पांच सबसे कजोर अर्थव्यवस्था में गिना जाने लगा था, तब भाजपा ने चिंता जताई थी। उन्होंने कहा, “लेकिन आज जब अर्थव्यवस्था के सभी आधारभूत ठीकठाक हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति को भी देखें तो अर्थव्यवस्था सही स्थिति में है। जब अन्य देशों की अर्थव्यवस्था ऊपर-नीचे जा रही है, तो ऐसे में भी भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है।” सीतारमण ने विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा, “ये केवल एक विषय को पकड़कर पूरे व्यापक आर्थिक मुद्दे को, देशवासियों की मेहतन, किसानों की मेहतन को कमजोर दिखा रहे हैं। विपक्ष को देश के साथ खड़े रहने चाहिए। देश को नीचा दिखाने का प्रयत्न करना ठीक नहीं है।”

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि जहां तक विदेशी मुद्रा के सापेक्ष रुपये के मूल्य की बात है तो यह बाजार आधारित होता है और बाजार कई घरेलू एवं बाहरी कारकों पर निर्भर करता है। मुद्रास्फीति, जीडीपी की विकास दर, चालू खाता घाटा, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र, घरेलू मांग और विदेशी निर्यात देश की अर्थव्यवस्था के

बुनियादी तत्वों और संकेतकों को देखें तो ये मजबूत हैं।

चौधरी ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थिति अनिश्चितता से भरी हैं जिसकी वजह से डॉलर का प्रवाह बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार और आरबीआई सतत नजर रख रहे हैं तथा आम जनता की समस्याओं से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कानून के दुरुपयोग पर जुर्माना लगेगा, दिवालियेपन के आवेदन पर 14 दिन में फैसला

केंद्र सरकार ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) में बड़े बदलावों का प्रस्ताव रखते हुए स्पष्ट किया है कि प्रक्रिया में देरी की मुख्य वजह अव्यक्तिक मुकदमेबाजी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा कि प्रस्तावित संशोधनों के जरिए इस दुरुपयोग पर लगाम लगाने के लिए दंडात्मक प्रावधान लाए जा रहे हैं।

वित्त मंत्री ने बताया कि नए बिल के तहत, किसी कंपनी में डिफॉल्ट स्थापित होने के बाद इन्सॉल्वेंसी आवेदन को 14 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से स्वीकार करना होगा। इससे मामलों के निपटान में तेजी आएगी और लंबित मामलों का बोझ कम होगा।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आईबीसी प्रक्रिया में श्रमिकों के हित सुरक्षित हैं और उनके बकाया भुगतान को प्राथमिकता दी जाती है। सरकार का कहना है कि संशोधन इस सुरक्षा ढांचे को और

मजबूत करेंगे।

सदन में पेश प्रस्ताव के अनुसार, आईबीसी में कुल 12 संशोधन किए जा रहे हैं। इनमें रूफ इन्सॉल्वेंसी और क्रॉस-बॉर्डर इन्सॉल्वेंसी के लिए सक्षम प्रावधान शामिल हैं, जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मामलों के समाधान में भी स्पष्टता आएगी।

वित्त मंत्री ने आईबीसी को बैंकिंग सेक्टर की सेहत सुधारने का प्रमुख कारण बताते हुए कहा कि इससे कंपनियों की क्रेडिट रेटिंग बेहतर हुई है। हालांकि, उन्होंने यह भी दोहराया कि आईबीसी का उद्देश्य कर्ज वसूली का साधन बनना नहीं था, बल्कि समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।

सीतारामन ने कहा कि आईबीसी देश के बैंकिंग क्षेत्र के स्वास्थ्य में सुधार लाने में एक मुख्य और बहुत ही महत्वपूर्ण कारक रहा है, और उन्होंने आगे कहा कि बैंकों ने समाधान प्रक्रिया के माध्यम से आधे से अधिक एनपीए (नैर-निष्पादित परिसंपत्तियों) को वसूली कर ली है।

12 अगस्त, 2025 को सरकार ने लोकसभा में दिवालियापन और दिवालिया संहिता (आईबीसी) में संशोधन करने के लिए विधेयक पेश किया, जिसमें दिवालियापन समाधान आवेदनों की स्वीकृति में लगने वाले समय को कम करने के प्रावधानों सहित कई बदलावों का प्रस्ताव किया गया। इस विधेयक को लोकसभा की एक चयन समिति को भेजा गया था, जिसने दिसंबर 2025 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। आईबीसी में अब तक सात बार संशोधन किया जा चुका है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का ईरान के तेल पर नजर

नईदिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब पांचवें हफ्ते में पहुंच गया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सेना को दक्षिणी लेबनान में अपने अभियान को और बढ़ाने का निर्देश दिया है। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि वॉशिंगटन ईरान के तेल पर कब्जा करने की इच्छा रखता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान ने सोमवार सुबह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते तेल ले जा रहे 20 जहाजों को गुजरने की अनुमति दे दी है। उन्होंने इसे सम्मान के तौर पर उठाया गया कदम बताया और कहा कि यह प्रक्रिया अगले कुछ दिनों तक जारी रह सकती है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका की ओर से रखी गई 15 शर्तों में से ज्यादातर को मान लिया है। इसके अलावा ट्रंप ने रविवार को कहा कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो चुका है।

2.38 लाख करोड़ रुपए के ऑर्डर से बदलेगी तस्वीर

नईदिल्ली। भारत ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि वह अपनी डिफेंस ताकत को किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं होने देगा। डिफेंस खरीद काउंसिल के ताजा फैसले में करीब 2.38 लाख करोड़ रुपये के विशाल डिफेंस प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है, जिसने पूरे डिफेंस सेक्टर में नई ऊर्जा भर दी है। इस फैसले को सिर्फ एक खरीद नहीं, बल्कि भारत की सैन्य रणनीति को मजबूत करने की बड़ी दिशा के तौर पर देखा जा रहा है। इस मंजूरी के तहत सेना, वायुसेना और कोस्ट गार्ड की क्षमताओं को कई स्तर पर मजबूत किया जाएगा। इसमें लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें, आधुनिक तोपें, नए ट्रांसपोर्ट विमान और हाईटेक निगरानी त्सफ शामिल हैं। खास बात यह है कि जहां एक तरफ कुछ उपकरण विदेशों से खरीदे जाएंगे, वहीं दूसरी तरफ सरकार लगातार इस बात पर जोर दे रही है कि अधिक से अधिक उत्पादन देश के भीतर ही हो।

खेल प्रमुख समाचार

पहले मुकाबले में खुद को साबित करने उतरेंगे अख्यर और गिल

मुम्बईपुर। भारतीय टीम से बाहर टी20 बल्लेबाज



शुभमन गिल और श्रेयस अख्यर जब इंडियन प्रीमियर लीग के पहले मैच में क्रमशः गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स की अगुवाई करेंगे तो उनका इरादा खुद को साबित करने का भी होगा। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान गिल को टी20 टीम का उपकप्तान बनाया गया था लेकिन बाद में विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया। उनकी जगह संजू सैमसन को चुना गया था जिनका भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान रहा। वर्ष 2023 के बाद से आईपीएल में गिल से ज्यादा रन सिर्फ विराट कोहली ने बनाए हैं। लेकिन अब फोक्स निरंतरता की बजाय स्ट्राइक रेट पर है। गिल का टी20 करियर का स्ट्राइक रेट 138 है लेकिन पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। पंजाब किंग्स के लिए एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा जो तीन अलग अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अख्यर (कप्तान), निहाल वहेरा, विष्णु विनोद, हरनूर पन्नू , पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरीप्रत बरार, मार्को यानसेन, अजमतुल्लाह उमरजड़, प्रियांश आर्य, मुशौर खान, सूर्याश शेडगे, मिच ओवेन, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाख विजयकुमार, यश ठाकुर, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे और विशाल निषाद।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साइ सुदर्शन, जोस बटलर, कुमार कुशाण, अनुज रावत, टॉम बेंटोन, ग्लेन फिलिप्प, निशांत सिंहू, वॉशिंगटन सुंदर , मोहम्मद अरशद खान, साइ किशोर, जयंत यादव, जैसन होल्डर, राहुल तेवतिया, शाहरुख खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुवार, गुरनूर सिंह बरार, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, ल्युक वुड, कुलवंत हेजरेलिया, राशिद खान।

सेंसेक्स 1636 अंक गिरा निफ्टी 22335 के नीचे

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख इंडेक्स ने वित्त वर्ष 2026 के आखिरी कारोबारी दिन भारी गिरावट के साथ बंद किया। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चल रहे युद्ध के कारण ग्रोथ (विकास) और महंगाई को लेकर चिंता बढ़ गई है। निफ्टी 50 2.14 प्रतिशत यानी 488.20 अंक गिरकर 22,331.40 पर बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 2.22 प्रतिशत यानी 1,635.67 अंक टूटकर 71,947.55 पर आ गया। वहीं, छोटे और मझोले शेयरों में भी कमजोरी दिखी। निफ्टी मिडकैप 2.68 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 2.66 प्रतिशत गिरकर बंद हुए। सेक्टर के हिसाब से देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी बैंक और निफ्टी फार्मासियल सर्विसेज में सबसे ज्यादा गिरावट रही। जबकि निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑयल एंड गैस में सबसे कम गिरावट देखने को मिली।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रूप में दुनिया का पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 152 करोड़ पर्यटकों से गुलजार रहने वाला वैश्विक पर्यटन उद्योग के वैश्विक हालातों के चलते वर्तमान हालातों में मंदी से भी अतिमंदी के दौर से गुजरने की संभावना से नहीं नकारा जा सकता। वैसे तो सभी देशों में पर्यटन उद्योग पर विपरीत असर पड़ने जा रहा है पर सबसे अधिक असर मध्यपूर्व के देशों में देखा जा सकता है। जानकारों के अनुसार अकेले मध्यपूर्व को ही 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान भुगतना पड़ सकता है। दुनिया में सबसे अधिक पर्यटक फ्रांस की धरती पर जाते है और माना जाता है कि 9 से 10 करोड़ पर्यटक तो फ्रांस का रुख करते हैं। जहां तक

भारत का प्रश्न है हमारे यहां भी लगभग 2 करोड़ विदेशी पर्यटक देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों का रुख करते हैं। पर युद्ध के वैश्विक हालातों के चलते विश्व के अन्य देशों की तरह से भारत के भी विदेशी पर्यटकों की आवाही पर विपरीत प्रभाव पड़ना ही है। एक साफ तथ्य यह है कि भारत और दुनिया के देशों में देशी पर्यटकों की संख्या में उछाल के चलते इस उद्योग को संजीवनी अवश्य मिलती लगती है।

वर्तमान दौर में दुनिया के चौधरी बने देशों को यह समझ लेना चाहिए कि अब वह जमाना गया जब हफ्ते दो हफ्ते में युद्ध का फैसला हो जाया करता था। आज छोटा से छोट्टा देश भी युद्ध को लंबा चलाने की कोशिश रखता है। इसे हम रूस यूक्रेन युद्ध से अच्छी तरह से समझ सकते हैं। अमेरिका ने भी जब ईरान पर आक्रमण किया तो ट्रंप का कायास यही था कि दो चार दिन में ईरान के

घुटने टिकवा देंगे पर ट्रंप और नेतन्याहू के सारे कायास धरे के धरे रह गए और इनके चक्कर में दुनिया अस्थिरता और वैश्विक संकट में और आ गई। आज हालात यह हो गए हैं कि युद्ध तो आप शुरु कर सकते हो पर युद्ध शुरु होने के बाद कब बंद भी पर्यटक घूमने का रुख नहीं कर पा रहे हैं। होटल और ट्रेवल उद्योग से जुड़ी एजेंसियां के सामने बड़ा संकट आ गया है तो दुनिया के देशों और संस्कृतियों से जुड़ने और समझ कर एक दूसरे के नजदीक आने की जो पहल पर्यटन उद्योग के चलते हुई थी उस पर



लगभग विराम के से हालात होते जा रहे हैं। 10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का पर्यटन उद्योग आज संकट के दौर में आ गया है। उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो थॉईलैंड की अर्थव्यवस्था में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी पर्यटन उद्योग की है और वह लगातार दूसरे साल गंभीर संकट के दौर में आ गई है। जैसे जैसे पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हजार डॉलर प्रतिदिन के लगभगी कमरों की कीमत घटकर 300 डॉलर तक कर देने के बाद भी पर्यटक रुख नहीं कर रहे हैं। हालात वैसे से विकटतर होते जा रहे हैं। दरअसल वैश्विक हालातों के चलते एक और उद्योग रद्द होती जा रही है तो युद्ध के चलते लोगों में असुरक्षा की भावना होती जा रही है। पता नहीं कब कहाँ क्या हो जाए और कहीं जाएं वहीं पर बंद होकर के रह जाएं। इस तरह की

ब्रेंट क्रूड तेल का भाव गिरकर 115 डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को एक महीना पूरा होने के बीच सोमवार को वैश्विक तेल बाजार में गिरावट देखने को मिली। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 2.32 प्रतिशत गिरकर 115.3 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गई। हालांकि सुबह करीब 7 बजे ब्रेंट क्रूड 116.4 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जिसमें 3.84 यानी 3.41% की तेजी दर्ज की गई। इससे पहले शुक्रवार को भी इसमें 4% से अधिक का उछाल देखा गया था। वहीं वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट भी बढ़त के साथ 103.1 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा, जो 3.44 यानी 3.45% की तेजी को दर्शाता है। पिछले सप्ताह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट में करीब 5.5% की वृद्धि दर्ज की गई थी। 27 मार्च को ब्रेंट क्रूड भाव 105.32 डॉलर प्रति बैरल पर था।

आशंकाओं से भी दो चार हो रहे हैं। मध्यपूर्व के देशों में तो लगभग यही हालात है। कब किस देश और किस स्थान पर मिसाइल अटैक हो जाए कहा नहीं जा सकता। क्योंकि अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध की खास नकारात्मक बात यह है कि इन दो देशों पर मिसाइल अटैक नहीं हो रहे बल्कि इनसे थोड़ी सी भी सहानुभूति रखने वाले देश कब निशाने पर आ जाएं कहा नहीं जा सकता। मध्यपूर्व में मिसाइल अटैक और हार्मुज जलडमरूमध्य के हालात इसके उदाहरण हैं। हालात तो यहां तक खराब होने की संभावना से इंकार नहीं करते कि मध्यपूर्व के देशों में तो पानी का गंभीर संकट तो हो सकता है। आज कच्चा तेल, एलपीजी की ही समस्या नहीं अपितु दुनिया को जोड़ने वाले इंटरनेट के बाधित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। लगता है एक दूसरे के अहम के चलते आमआदमी कहीं हाशिये में चला गया है।

कायस्थ समाज का देश-प्रदेश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान: मुख्यमंत्री साय

सर्व समाज के लिए उपयोगी होगा कायस्थ मंगल भवन: संजय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज चंदखुरी में कायस्थ मंगल भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कायस्थ समाज को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माता कौशल्या की पावन भूमि चंदखुरी में इस मंगल भवन का शुभारंभ होना पूरे समाज के लिए खुशी और गौरव का विषय है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कायस्थ समाज सदैव से एक प्रबुद्ध और जागरूक समाज रहा है, जिसने देश एवं प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन से लेकर सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में इस समाज की सक्रिय भूमिका रही है, जो प्रेरणादायी है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार द्वारा तैयार किए गए विजन डॉक्यूमेंट में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी



सुनिश्चित की जा रही है और उन्हें विश्वास है कि कायस्थ समाज इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन इस बात का प्रतीक है कि जब समाज संगठित होकर कार्य करता है, तो बड़े से बड़ा लक्ष्य भी सहजता से प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर प्रदेश में कनेक्टिविटी के क्षेत्र में हो रहे

विस्तार का उल्लेख करते हुए बताया कि आज अंबिकापुर से दिल्ली और कलकत्ता के लिए सीधी हवाई सेवा प्रारंभ की गई है, जिससे प्रदेशवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने बजट में सीजी वायु योजना का प्रावधान किया है, जिसके तहत छत्तीसगढ़ के सभी हवाई अड्डों का विकास किया जाएगा। साथ ही

कार्गो सेवा भी प्रारंभ की गई है, जिससे किसान अपने उत्पाद राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक आसानी से पहुंचा सकेंगे।

इस अवसर पर नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ मंगल भवन का निर्माण समाज की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता की पूर्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह भवन किसी एक समाज के लिए नहीं, बल्कि सर्व समाज के उपयोग के लिए बनाया गया है। यहां सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकेगा, जिससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सुविधा मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह भवन आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा और क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



मीडिया से कहा, मैं अकादमियों पर ध्यान देने के बाद वापसी कर रही हूं और यहां स्वर्ण पदक जीतकर बेहद खुश हूं। अब जब मेरी ग्रेजुएशन पूरी हो गई है, तो मैं नेशनल कैम्प में जगह बनाने और आगे चलकर बड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयनित होने पर ध्यान देना चाहती हूं।

अरुणाचल प्रदेश की नेडी नी के स्वर्ण पदक जीतने से राज्य ने पदक तालिका में अपना तीसरा स्थान मजबूत किया, जहां उसके खाते में अब छह स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक

हो गए हैं। अंबिकापुर में कुश्ती से मिले दो स्वर्ण पदकों के साथ कर्नाटक ने तालिका में अपनी बहुत और मजबूत कर ली। रोहन डोग्रामनी ने स्विमिंग पूल के बाहर कर्नाटक का पहला स्वर्ण पदक दिलाया, जब उन्होंने 60 किग्रा ग्रीको-रोमन फाइनल में राजस्थान के दिनेश सोलंकी को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया। इसके बाद मनीषा ने दिन का समापन करते हुए हिमाचल प्रदेश की मुस्कान को कड़े मुकाबले में 12-8 से हराकर कर्नाटक के लिए एक और स्वर्ण पदक जीता।

ललित कुमार एवं विनय चौहान बने बिलासपुर, रायगढ़ विवि के कुलपति

रायपुर। प्रदेश में आज छत्तीसगढ़ के अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर और शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ में नए कुलपतियों की नियुक्ति की घोषणा की गई है। राज्यपाल ने संबंधित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति के आदेश पारित कर दिए हैं। राजभवन के आदेश के अनुसार, शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ के कुलपति के पद पर प्रोफेसर विनय चौहान को नियुक्त किया गया है। प्रोफेसर विनय चौहान वर्तमान में जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी) के बिजनेस स्कूल के डायरेक्टर हैं। नियुक्ति छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 (क्रमांक 22, सन् 1973) की धारा 13 की उपधारा (1) के तहत राज्यपाल और कुलाधिपति द्वारा की गई है। प्रोफेसर विनय चौहान



का कार्यकाल, उपलब्धियाँ और सेवा शर्तें उक्त अधिनियम और संबंधित नियमों के अनुसार होंगी। वहीं, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति के पद पर शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ के वर्तमान कुलपति प्रोफेसर डॉ. ललित कुमार पटेलिया को नियुक्त किया गया है। उन्हें भी संबंधित अधिनियम और नियमों के प्रावधानों के अनुसार कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रोफेसर डॉ. ललित कुमार पटेलिया का कार्यकाल, उपलब्धियाँ और सेवा शर्तें भी विश्वविद्यालय अधिनियम एवं नियमों के अनुसार

निर्धारित होंगी। राजभवन ने इस नियुक्ति के पीछे छत्तीसगढ़, द्वाद्वाथ ऋद्धुस - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महावीर जयंती की प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 13 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग किया है, जो राज्यपाल को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में नियुक्ति करने का अधिकार देती हैं। इस प्रक्रिया के तहत कुलपतियों का चयन उनकी शैक्षणिक योग्यताओं, अनुभव और प्रशासनिक क्षमताओं के आधार पर किया जाता है। नए कुलपतियों की नियुक्ति से दोनों विश्वविद्यालयों में शिक्षा और प्रशासन में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर और शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ दोनों ही राज्य के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान हैं, जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

रफ्तार, रोमांच और संस्कृति का संगम: बस्तर राइडर्स मीट 2026 4 अप्रैल को

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में 4 अप्रैल 2026 को एक अनूठा और रोमांच से भरपूर आयोजन बस्तर राइडर्स मीट 2026 होने जा रहा है। गरुड़ा राइडिंग क्लब के तत्वावधान में



आयोजित यह कार्यक्रम क्षेत्र का पहला और अब तक का सबसे बड़ा राइडर्स मीट माना जा रहा है, जिसमें देशभर के बाइक प्रेमी हिस्सा लेंगे।

इस आयोजन की खास बात यह है कि यह केवल रफ्तार और एडवेंचर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य को भी राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करेगा। बस्तर के हृदय में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को एक अनोखा सांस्कृतिक और रोमांचक

अनुभव मिलेगा। कार्यक्रम में प्रवेश सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा और आयोजन स्थल से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए क्यूआर कोड की व्यवस्था भी की गई है। बस्तर राइडर्स मीट 2026 का उद्देश्य राइडिंग समुदाय को एक मंच पर लाना, युवाओं में एडवेंचर स्पोर्ट्स के प्रति रुचि बढ़ाना और बस्तर को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। गरुड़ा राइडिंग क्लब ने सभी बाइक राइडर्स और आम नागरिकों से इस ऐतिहासिक आयोजन में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। यह आयोजन न केवल रफ्तार का उत्सव होगा, बल्कि बस्तर की पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का एक सशक्त प्रयास भी साबित होगा।

अरुणाचल की नेडी न्गी, महाराष्ट्र के गोविंद पाडेकर ने 5000 मीटर में जीते स्वर्ण पदक

रायपुर। अरुणाचल प्रदेश की मिडिल-डिस्टेंस धाविका नेडी न्गी ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता, जबकि महाराष्ट्र ने पुरुष वर्ग में शानदार 1-2 स्थान हासिल किया। वहीं, बेमौसम बारिश के कारण सोमवार को खेले इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के छठे दिन एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के उद्घाटन दिन का शाम का सत्र रद्द करना पड़ा। नेडीन्गी ने अधिकांश दौड़ में खुद को संयमित रखा और अंतिम 200 मीटर में जोरदार स्प्रिंट लगाते हुए 18:24.66 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में महाराष्ट्र के गोविंद पाडेकर (15:11.35 सेकंड) और सूरज माशी (15:11.64 सेकंड) ने बेहतरीन तालमेल के साथ दौड़ते हुए क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। अरुणाचल की नेडी न्गी, महाराष्ट्र के गोविंद पाडेकर ने 5000 मीटर में जीते स्वर्ण पदक, नेडीन्गी ने दौड़ के बाद साई

झारखंड और ओडिशा ने फाइनल में पक्की की अपनी जगह



रायपुर। राजधानी स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में खेले इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत पुरुष हॉकी के सेमीफाइनल मुकाबले उत्साह और रोमांच से भरपूर रहे। पहले सेमीफाइनल मैच में झारखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मध्यप्रदेश को 8-1 के बड़े अंतर से पराजित कर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। राजधानी स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में खेले इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत पुरुष हॉकी के सेमीफाइनल मुकाबले उत्साह और रोमांच से भरपूर रहे। पहले सेमीफाइनल मैच में झारखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मध्यप्रदेश को 8-1 के बड़े अंतर से पराजित कर फाइनल में अपनी

जगह पक्की की। दूसरे सेमीफाइनल में ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः ओडिशा ने 5-1 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। मैच के दौरान दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। खेले इंडिया ट्राइबल गेम्स के शुभंकर 'मोर वीर' के साथ दर्शकों ने जमकर आनंद लिया और वातावरण उत्सवमय बना

रहा। इस अवसर पर खेले इंडिया ट्राइबल गेम्स के साईं डिप्टी डायरेक्टर श्री मयंक श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए मैच का आनंद लिया। दूसरे सेमीफाइनल में ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः ओडिशा ने 5-1 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

भाजपाई बताये डीजल, पेट्रोल के दाम कितना कम हुआ: बैज

रायपुर। डीजल और पेट्रोल पर एक्साइज इयूटी घटाएं 5 दिन हो गये लेकिन जनता को अभी तक 1 रू. का भी फायदा नहीं मिला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पेट्रोल, डीजल पर एक्साइज कम करने के लिए प्रधानमंत्री की स्तुतिमान करने वाले भाजपाई बताये कि केंद्र के इस निर्णय से जनता को कितने रू. की राहत मिली है? भाजपाई बताये एक्साइज कम करने के बाद डीजल, पेट्रोल के दाम कितना कम हुआ? मोदी सरकार ने यह छूट जनता को राहत देने के लिए किया ही नहीं था। आज देश में रसोई गैस से लेकर पेट्रोल, डीजल की परेशानी के पीछे केंद्र सरकार की अदूरदर्शी नीति है।



भाजपाई जनता में एक्साइज छूट के नाम पर केवल भ्रम फैला रहे हैं। हकीकत में भाव कम नहीं हुआ है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार ने पांच राज्यों के चुनाव को देखते हुए डीजल, पेट्रोल पर से स्पेशल एडिशनल एक्साइज को कम किया है, इसका लाभ केवल तेल कंपनियों को होगा। जैसे ही बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु, पांडिचेरी में चुनाव खत्म हो जाएगा, भाजपा सरकार तुरंत पेट्रोल, डीजल के दामों को 5 से 10 रू. बढ़ा देगी, यह चुनावी डर से तेल कंपनियों को यह राहत दी गई है।

देश के गृह मंत्री अमित शाह अविश्वसनीय हो चुके है: शुक्ला

रायपुर। देश के गृह मंत्री अमित शाह अविश्वसनीय हो चुके हैं। वे संवेदनशील विषयों में भी अपना बयान राजनैतिक नफे, नुकसान के अनुसार बदलते रहते हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि संसद में अमित शाह नक्सलवाद नियंत्रण के मामले में कांग्रेस की भूपेश सरकार को दोषी ठहराते हैं जबकि देश के गृह मंत्री के रूप में वे मध्यप्रदेश मध्यक्षेत्र की बैठक में और छत्तीसगढ़ में तीन बार मीडिया के सामने भूपेश सरकार की नक्सल नीति की तारीफ करते थे। उनका बयान है कि छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार नक्सल नियंत्रण में प्रभावी कदम उठा रही है। अब वही अमित शाह राजनैतिक फायदे के लिए कांग्रेस की सरकार जग्मेदार ठहरा रहे



अमित शाह गृहमंत्री है संसद में सबूत होने का दावा करते हैं तो सबूत पटल पर रखते क्यों नहीं? प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि देश व प्रदेश का हर नागरिक चाहता है कि शांति की स्थापना हो और नक्सलवाद की समाप्ति हो। भाजपा नेता इस मामले में लगातार श्रेय लेने की राजनीति करने गलत बयान देते हैं, जबकि नक्सलवाद को खाद, पानी भाजपा की रमन सरकार के दौरान ही मिला था। 2006 से 2015 तक छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद नासूर बना।

किसानों को तरबूज निर्यात बंद होने से हो रहा नुकसान: ठाकुर

रायपुर। खाड़ी देशों में युद्ध के कारण प्रदेश से तरबूज निर्यात बंद होने से किसानों को हो रहे करोड़ों के नुकसान पर सरकार से आर्थिक मदद की मांग करते हुये प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश से तरबूज इराक सहित खाड़ी देशों तक निर्यात होती थी। चालू सीजन में खाड़ी देशों में युद्ध और तनाव के कारण रास्ते बंद हो गये। जिससे प्रदेश से तरबूजों की निर्यात नहीं हो पा रही है। जिसका किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। किसान तनाव में है। यहाँ स्थानीय स्तर पर ज्यादा तरबूज आने के कारण दाम गिर गये हैं। खपत नहीं हो रही है। इससे किसानों को 300 करोड़ से अधिक नुकसान होने की आशंका है। प्रदेश में 10 हजार एकड़ से अधिक में तरबूज की फसल लगी है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सरकार को तरबूज उत्पादक किसानों की निर्यात समस्या का समाधान करना चाहिए। निर्यात बाधित होने से किसानों को आर्थिक क्षति पहुँच रही है। उससे किसान कर्ज में आ जाएंगे, अगली फसल लगाने की स्थिति में नहीं रहेंगे, आर्थिक संकट से जूझेंगे, ऐसे कठिन समय में सरकार उन्हें आर्थिक मदद भी करे। मध्यान भोजन, आंगनबाड़ी केंद्र सुपोषण अभियान पर सरकार देने की व्यवस्था करें ताकि फसल का नुकसान न हो किसानो हताश न हो।



छत्तीसगढ़ में बढ़ती साइबर ठगी सरकार की विफलता: सिंह

रायपुर। छत्तीसगढ़ में साइबर ठगी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जो राज्य की कानून व्यवस्था और डिजिटल सुरक्षा तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि राज्य सरकार साइबर अपराध पर नियंत्रण पाने में पूरी तरह असफल साबित हो रही है। हाल ही में राजधानी रायपुर में फर्जी साइबर काल सेंटर का बड़ा खुलासा हुआ है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय गिरोह द्वारा बोमा पॉलिसी मैच्योरिटी और लोन के नाम पर विदेश में बैठे लोगों के साथ भी करोड़ों रुपये की ठगी की जा रही थी। यह गिरोह विदेश ही नहीं देशभर के लोगों को फोन कर प्रोसेसिंग फीस, टैक्स और अन्य शुल्क के नाम पर रकम ऐंठता था। इस तरह के गिरोह पूरे छत्तीसगढ़ में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर ठगी के नेटवर्क से जुड़े हुए हैं फर्जी कॉल सेंटर बनाकर देश देश-विदेश के लोगों को ठगने का जो काम रायपुर राजधानी में बैठकर संचालित किया जा रहा था यह स्पष्ट बताता है कि छत्तीसगढ़ अब साइबर अपराधियों का सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। एक तरफ सरकार डिजिटाइजेशन की बात करती है और ताजा नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में जब से यह सरकार बनी है 70000 से ज्यादा शिकायतें सामने आई हैं,जिसमें राजधानी रायपुर में 17000 से ज्यादा शिकायतें मिली हैं, जिसमें प्रदेश की जनता का लगभग 800 करोड़ रुपए का नुकसान इन ठगों के द्वारा साइबर अपराध के माध्यम से किया गया है।

यात्रियों की जेब पर सरकार का डाका: उत्तम जायसवाल

रायपुर। आम आदमी पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उत्तम जायसवाल ने टोल टैक्स दरों में वृद्धि पर एतराज जताते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ में नेशनल हाइवे पर सफर करने वाले वाहन चालकों पर टेक्स बढ़ाना चिंतनीय है। उन्होंने बताया कि नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए टोल टैक्स की नई दरें 1 अप्रैल से लागू की हैं। नई दरों के तहत प्रदेश के अलग-अलग टोल प्लाजा पर 5 रुपये से लेकर 20 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है, जिससे आम यात्रियों की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कार, जीप और वैन जैसे निजी वाहनों के साथ-साथ व्यावसायिक वाहनों के लिए टोल महंगा हो जायेगा साथ ही 1 अप्रैल से फास्टैग एनुअल पास भी महंगा हो रहा है, जो 3,000 रुपये से बढ़कर 3,075 रुपये हो जाएगा। टोल दरों में वृद्धि से ट्रकों और व्यावसायिक वाहनों का परिचालन खर्च बढ़ेगा जिससे वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होगी और आगे महंगाई बढ़ेगी। केंद्र की भाजपा सरकार देश की जनता को सिर्फ लूटने में लगी है आम आम जनता की तकलीफों से उसे कुछ लेना देना नहीं है।



खेल के साथ पर्यटन, छत्तीसगढ़ ने खिलाड़ियों का जीता दिल

खेल के साथ पर्यटन, छत्तीसगढ़ ने खिलाड़ियों का जीता दिल

रायपुर। खेले इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 के रंग में इस समय पूरा छत्तीसगढ़ सराबेर नजर आ रहा है। खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य भी देशभर से आए खिलाड़ियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। अंडमान-निकोबार से आए वेटलिफ्टिंग के खिलाड़ियों के लिए सिरपुर और बारनवापारा के भ्रमण ने उनकी छत्तीसगढ़ की यात्रा को और यादगार बना दिया।

खेल के साथ पर्यटन का संगम, छत्तीसगढ़ की मेहमाननवाजी ने जीता दिल

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल ने



आज खिलाड़ियों को ऐतिहासिक नगरी सिरपुर का भ्रमण कराया, जहां उन्होंने प्राचीन मंदिरों, बौद्ध विहारों और पुरातात्विक धरोहरों के माध्यम से राज्य के गौरवशाली इतिहास को करीब से जाना। सिरपुर की ऐतिहासिक विरासत ने खिलाड़ियों को खासा प्रभावित

किया और उन्होंने इसकी समृद्ध संस्कृति की सराहना की। बारनवापारा अभयारण्य के भ्रमण और प्रकृति की सुस्पष्ट वादियों ने सभी खिलाड़ियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। घने जंगल, शांत वातावरण और हरियाली से भरपूर इस क्षेत्र में खिलाड़ियों ने

सुकून के पल बिताए। बारनवापारा स्थित छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के हरेली हो के रिसोर्ट में उन्होंने स्थानीय स्वादिष्ट व्यंजनों का भी आनंद लिया।

अंडमान-निकोबार के खिलाड़ियों की इस रोमांचक यात्रा का सबसे आकर्षक हिस्सा रहा बाँवू राफ्टिंग, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्राकृतिक जलधाराओं के बीच रोमांच का अनुभव किया। यह गतिविधि उनके लिए न केवल मनोरंजक रही, बल्कि टीम भावना को भी और मजबूत करने वाली साबित हुई। छत्तीसगढ़ की आत्मीयता और मेहमाननवाजी ने सभी खिलाड़ियों का दिल जीत

लिया। अंडमान-निकोबार से आए खिलाड़ियों ने राज्य सरकार एवं छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अनुभव उनके जीवन की खिलाड़ियों की इस रोमांचक यात्रा का सबसे आकर्षक हिस्सा रहा बाँवू राफ्टिंग, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्राकृतिक जलधाराओं के बीच रोमांच का अनुभव किया। यह गतिविधि उनके लिए न केवल मनोरंजक रही, बल्कि टीम भावना को भी और मजबूत करने वाली साबित हुई। छत्तीसगढ़ की आत्मीयता और मेहमाननवाजी ने सभी खिलाड़ियों का दिल जीत

संघर्षों की भट्टी में तपकर सोना बने झारखंड के अंजित मुंडा, कुश्ती में जीता गोल्ड मेडल

रायपुर। कहते हैं कि यदि इरादे फौलादी हों और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो, तो अभाव भी सफलता की राह नहीं रोक सकते। झारखंड के रामगढ़ जिले के एक छोटे से गाँव सुगिया के रहने वाले युवा पहलवान अंजित कुमार मुंडा ने इस बात को सच कर दिखाया है। अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में आयोजित 'खेले इंडिया ट्राइबल गेम्स' के दौरान अंजित ने 67 कीलोग्राम भार वर्ग की कुश्ती स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। मात्र 20 वर्ष की आयु में सफलता के शिखर को छूने वाले अंजित का जीवन चुनौतियों से भरा रहा है। वर्ष 2009 में पिता के साथे के उठ जाने के बाद, उनकी



माता ने खेती-बारी और कठिन परिश्रम के बल पर परिवार को संभाला। अंजित ने वर्ष 2017-18 में कुश्ती की शुरुआत की और जेएसएसपीएस स्पोर्ट्स अकादमी में लगभग 6 वर्षों तक कड़ा अभ्यास किया। उनकी शारीरिक क्षमता और तकनीक को देखते हुए प्रशिक्षकों ने उन्हें कुश्ती के लिए तराशा।

अंजित की खेल प्रतिभा और देश सेवा के जज्बे ने उन्हें भारतीय सेना तक पहुँचाया। पिछले वर्ष ही उनका चयन 'अग्निवर्षा जीडी' के पद पर हुआ है। अपनी इस सफलता का श्रेय वे अपने कोच को देते हैं। अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए अंजित मुंडा ने कहा, खेले इंडिया ट्राइबल गेम्स हम जैसे जनजातीय बच्चों के लिए एक उत्कृष्ट मंच है, जो अक्सर मुख्यधारा से पीछे छूट जाते हैं। पहली बार आयोजित इस प्रतियोगिता में गोल्ड जीतना मेरे लिए गर्व की बात है। अब मेरा अगला लक्ष्य छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाली आगामी प्रतियोगिताओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है।